Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 211
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,01 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

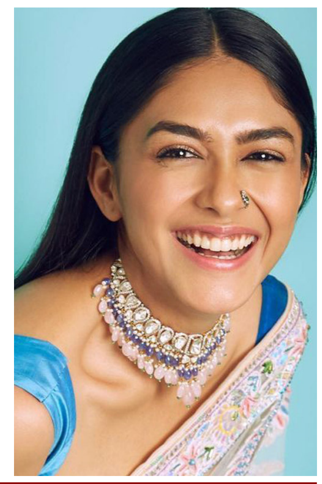

2 होली पर्व के दौरान, यात्रा सुगम बनाने के लिए उत्तर रेलवे पूरी तरह तैयार | 4 लंबे समय से पाठ्य पुस्तकों के जरिए खराब किया जा रहा है | 7 भूत बंगला से अक्षय कुमार का वीडियो

यूपी में होली पर 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को सीएम योगी ने सौगात दी

आज देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक यूपी आना चाहता है :सीएम

■ होली या होली के बाद फ्री में ले सकेंगे भरा सिलिंडर

■ आज आयुष्मान कार्ड से गर गरीब को निशुल्क इलाज मिल रहा

लखनऊ। यूपी में होली पर 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को सीएम योगी ने सौगात दी है। सभी परिवारों को सिलिंडर रीफिल कराने के लिए सब्सिडी दी गई है। होली पर उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को यूपी सरकार की तरफ से गैस सिलिंडर रीफिल सब्सिडी दी गई। शनिवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह सौगात दी। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में 1,500 करोड़ की धनराशि वितरित की गई। कांग्रेस राज में सिफारिश पर सिलिंडर मिलता था- ब्रजेश पाठक इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि होली पर सब गिले शिकवे भुला देते हैं। हमारी मां चूल्हे पर रोटी बनाती थीं। पीएम मोदी का आभार, जो गैस कनेक्शन दिए। कांग्रेस राज मेंसिफारिश पर सिलिंडर मिलता था। अब केवल जमींदार के घर पर ही गैस नहीं है, बल्कि आमजन के घर पर है। पहले कोटेदार के यहां कार्ड रहते थे। अब झोला मिल रहा है। कोटेदार का भी ध्यान रखा गया है। कोरोना काल मेंतेल दिया गया। कहा कि, लोग भरमाएंगे लेकिन, चक्कर में न आना। यही नहीं अब तीन तलाक नहीं कह सकते हैं। अब बिना जुगाड़ के नौकरी लगती है। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पहले जिसके यहां शौचालय बना होता था, उसे अमीर जिसके यहां नहीं हना होता था, उसे गरीब माना जाता था। इस तरह गरीब और अमीर की पहचान की जाती थी। लेकिन, अब हर घर में शौचालय बना है। आज आयुष्मान कार्ड से गर गरीब को निशुल्क इलाज मिल रहा है। बलिया से उज्ज्वला योजना की शुरूआत हुई थी। 10 करोड़ से अधिक लोगों को इस योजना का सिलिंडर मिला। अमीरी-गरीबी की खाई पाटने का काम किया। मुख्यमंत्री आवास भी मिल रहा है। विधवा दिव्यांग महिलाओं को भी आवास दे रहे हैं। कहा कि, दो करोड़ महिलाओं को और समूह से जोड़ेंगे। माताएं-बहनें कमल का बटन दबाती हैं। प्रचार की जिम्मेदारी संभालने है। समाजवादी पार्टी के गुंडे पहले परेशान करते थे। वोट न देने वालों की भी सेवा की है। इस मौके पर सीएम योगी ने सबसे पहले प्रदेशवासियों को होली की बधाई दी। कहा कि होली पर्व समता का पर्व है, न कोई बड़ा न कोई छोटा। यूपी की डबल इंजन सरकार ने यह योजना 2022 में शुरू की थी। इसी कड़ी में आज 1500 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। लाभार्थी होली के पहले या होली के बाद अपने नजदीकी एजेंसी से भरा हुआ सिलिंडर फ्री में ले सकते हैं। योजना का लाभ सबको देने का एक ही मंत्र है 'सबका साथ सबका विकास'। जिसको कभी सिलिंडर नहीं मिला, उसको मोदी ने दिया। सीएम ने आगे कहा कि आयुष्मान से पांच लाख तक का कैशलेस इलाज मिलता है। शिक्षक और शिक्षणेतर कर्मियों को भी इससे जोड़ा गया है। जो सरकार के लिए काम करेगा, सरकार उसके बारे में सोचेगी। पहले माफिया शासन चलाते थे। पर्व के पहले उपद्रव हो जाते थे। कर्फ्यू लग जाता था। 2017 से पहले यूपी को टेढ़ी निगाहों से देखा जाता था। आज देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक यूपी आना चाहता है। 9 सिलिंडर पर पहले से मोदी दे रहे हैं। अब होली पर हम दे रहे हैं।

तेहरान पर हमले के बाद ईरान ने भी इजरायल पर दागीं मिसाइलें

एक साथ 7 देशों पर किया अटैक

मिडिल ईस्टः (मध्यपूर्व) मेंएक बार फिर बड़ी जंग छिड़ गई है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला कर दिया। तेहरान समेत कई शहरों में बमबारी की है। ईरान ने भी जवाबी हमला करते हुए इजरायल पर मिसालें दागी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वीडियो संदेश जारी किया है, जिसमें ईरान के रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स और पुलिस से हथियार डालने को कहा। ट्रंप ने कहा कि वह किसी भी सूरत में ईरान को परणामु नहीं बनाने देंगे। अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी करते हुए मिडिल ईस्ट में भारी सेना तैनात कर रखी है। पिछले कई दिनों से अमेरिकी सैनिक ईरान की घेराबंदी में जुटे हैं। तभी से ये संकेत बने हैं कि अमेरिका और इजरायल ईरान पर हमला करेंगे। हालांकि इस बीच अमेरिका और इजरायल के बीच ओमान की मध्यस्थता से बातचीत भी जारी है। जेनेवा में दोनों देशों के बीच कई दौर की बैठकें हुईं। कुछ मुद्दों पर सहमति बनी तो कुछ पर बातचीत जारी थी। इसी बीच इजरायल ने अमेरिका के सहयोग से ईरान पर हमला कर दिया है। ईरान के कई शहरों पर मिसाइल हमलों की फुटेज सामने आई हैं। बमबारी के बीच लोग जान बचाकर भागते नजर आ रहे हैं। उधर, इजरायल ने सुरक्षा के मुद्देनजर देश में आपातकाल घोषित कर दिया है। रमजान के महीने में इस जंग से मिडिल ईस्ट में भारी उथल-पुथल मच गई है। जवाब में ईरान ने भी हमले शुरू कर दिए हैं।

सार संक्षेप

भारतीय किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त, संगठन ने किसानों के मुद्दे उठाने की जिम्मेदारी दी

बांदा,(संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) ने राजेश पटेल को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। राजेश पटेल एक समाजसेवी हैं और किसान नेता विचित्र वीर पटेल के बड़े भाई हैं। राजेश पटेल बबेरू तहसील क्षेत्र के अहार गांव के निवासी हैं। उन्हें जिला अध्यक्ष ने मनोनीत किया है। यह नियुक्ति संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई है। राजेश पटेल के मनोनयन के अवसर पर बांदा जनपद में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ किसान नेता जयराम सिंह बछेउरा विशेष रूप से उपस्थित थे। उनके साथ चंद्रशेखर पटेल, बाला प्रसाद पटेल, सुरेश चंद्र, अजीत और दीपू सहित कई अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राजेश पटेल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

सड़क पार करते ट्रक चालक की मौत, अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन के कालपी कोतवाली क्षेत्र में झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे 27 पर शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान कालपी के आलमपुर बाईपास मोहल्ला निवासी बाबू सिंह (46) पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। वह शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे झांसी-कानपुर हाईवे पर ओवरब्रिज के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बाबू सिंह को एंबुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज भिजवाया। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण देर रात लगभग 12 बजे उनकी मौत हो गई। मृतक के चाचा रामकुमार ने बताया कि बाबू सिंह पेशे से ट्रक चालक थे और परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। इस घटना से उनके पिता कृष्ण कुमार और मां माया देवी गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने हाईवे पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग की है।

पीएम मोदी ने अजमेर में 43 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

पीएम मोदी ने अजमेर में 16,686 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं की दी सौगात

अजमेरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से केंद्र एवं राज्य सरकार की लगभग 16,686 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी और नौ से 14 साल तक की बालिकाओं को एचपीवी टीके की खुराक देकर एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क, रेलवे, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न क्षेत्रों में करीब 16,686 करोड़ रुपये की लागत की 43 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में लगभग 8,554 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाएं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से संबंधित हैं। इन विभागों में शहरी विकास, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण, ऊर्जा, जल संसाधन एवं उद्योग आदि शामिल हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग और ऊर्जा से जुड़ीं करीब 8,132 करोड़ रुपये की नौ प्रमुख परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं में दो का शिलान्यास और सात का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री ने 4,516 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में लगभग 1,207 करोड़ रुपये की लागत से बांदीकुई से जयपुर तक चार लेन का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, दिल्ली-वडोदरा एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के पैकेज 14 सेक्शन में एनएच 76 जंक्शन से एनएच 12 पर उम्मेदपुरा गांव तक आठ लेन कैरिजवे और प्रदेशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण के कार्य शामिल हैं। इसी तरह जयपुर में 286 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पम्प होते हुए मालपुरा गेट तक एलीवेटेड रोड, जोधपुर शहर में महामंदिर से अखल्या चौराहे तक एक हजार 243 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन एलीवेटेड रोड एवं बारां जिले में 322 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के मालबमोरी-मांगरोल-बारां राज्य राजमार्ग का शिलान्यास भी किया गया। स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के अपने संकल्प की दिशा में एक ओर कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नोनेरा वृहद् पेयजल परियोजना के 1021 करोड़ रुपये से अधिक लागत के चार पैकेज और परवन अकावद वृहद् पेयजल परियोजना के 2,247 करोड़ रुपये की लागत के पांच पैकेजों की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के प्रमुख केंद्रों से बिजली के सुगम पारेषण के लिए 3,616 करोड़ रुपये की पारेषण प्रणाली का लोकार्पण किया।

कोलकाता में पिंक बूथ और मोबाइल गश्ती दल के जरिए मजबूत होगी महिला सुरक्षाः ममता

कोलकाता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और आत्मविश्वास को मजबूत करने के मकसद से शुरू की गई दो नयी पहलों की शनिवार को घोषणा की। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शहर के प्रमुख चौराहों पर पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित कई पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे और ये शाम से लेकर आधी रात तक खुले रहेंगे। उन्होंने कहा, शहर में रहने वाली मेरी बहनें किसी भी प्रकार की सहायता के लिए इन बूथ में सीधे केपी (कोलकाता पुलिस) की महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने शाइनिंग नाम से गठित महिला मोबाइल पेट्रोलिंग टीम की तैनाती की भी घोषणा की।

बनर्जी ने लिखा, कई शाइनिंग (जैसा कि मैंने उन्हें नाम दिया है) पूरी तरह से महिला मोबाइल गश्ती दल भी रात आठ बजे से रात दो बजे तक ड्यूटी पर रहेंगे, जो ईएम बाईपास और शहर की ऐसी अन्य प्रमुख सड़कों पर गश्त करेंगी, जिनका उपयोग मेरी कामकाजी बहनें रात के समय करती हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि श्कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है और विश्वास व्यक्त किया कि ये दो नयी पहलें महानगर में महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने में बहुत मददगार साबित होंगी।

पाकिस्तान को ट्रंप का समर्थन भारतीय कूटनीति के लिए झटका, विश्वगुरु हुए बेनकाबः कांग्रेस

नईदिल्ली : कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में इस्लामाबाद के प्रति समर्थन जताना भारत की गले मिलने वाली कूटनीति (हग्लोमैसी) के लिए एक और झटका है तथा स्वघोषित विश्वगुरु बेनकाब हो गए हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप बार-बार पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की तारीफ करते हैं जिसने भड़काऊ बयान देकर पहलगाम आतंकी हमले की भूमिका तैयार की थी। दरअसल ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान के प्रति समर्थन जताया है। उन्होंने कहा, मेरे पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनके पास एक बेहतरीन प्रधानमंत्री हैं, एक बेहतरीन जनरल हैं... वे उन लोगों में से हैं, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं। पाकिस्तान इस समय (सैन्य संघर्ष में) बेहद अच्छा कर रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने ट्रंप के बयान का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, अफगानिस्तान के साथ युद्ध में पाकिस्तान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का पूर्ण और स्पष्ट समर्थन भारत की गले मिलने वाली कूटनीति (हग्लोमैसी) के लिए एक और झटका है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने एक बार फिर उस आसिम मुनीर की जमकर प्रशंसा की है, जिसके भड़काऊ बयान ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा किए गए आतंकवादी हमले की भूमिका तैयार की थी। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ हमारी आर्थिक कूटनीति बुरी तरह विफल रही है, जिसका प्रमाण यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अचानक एक स्पष्ट रूप से एकतरफा व्यापार समझौते के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस समझौते में भारत ने ठोस प्रतिबद्धताएं की हैं खासकर अमेरिकी किसानों से आयात करने को लेकर, जबकि अमेरिका ने भारत से अधिक निर्यात की अनुमति देने के संबंध में केवल अस्पष्ट आश्वासन दिए हैं।

क्लीन चिट मिलते ही केजरीवाल का केंद्र पर हल्ला बोल, जंतर-मंतर पर महा-रैली की तैयारी

नईदिल्ली : आम आदमी पार्टी 1 मार्च को जंतर-मंतर पर एक विशाल रैली करेगी, जिसमें अरविंद केजरीवाल कथित तौर पर बर्खास्त किए गए हजारों कर्मचारियों के लिए आवाज उठाएंगे। आबकारी नीति मामले में बरी होने के बाद, यह रैली केजरीवाल के लिए भाजपा सरकार के खिलाफ एक राष्ट्रीय भूमिका स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम माना जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 1 मार्च को जंतर-मंतर पर एक रैली का नेतृत्व करेंगे, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिल्ली में हजारों कर्मचारियों की कथित बर्खास्तगी के खिलाफ विरोध

प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यह जानकारी दी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली के लोग भाजपा सरकार के जनविरोधी फैसलों से परेशान हैं और केजरीवाल की ओर रुख कर रहे हैं। भारद्वाज ने पर एक पोस्ट में कहा कि अरविंद केजरीवाल उन हजारों कर्मचारियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे जिन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है। इसलिए, सभी बस मार्शल, डीटीसी बस कंडक्टर, मोहल्ला क्लिनिक कर्मचारी, डीआईएमटीएस कर्मचारी और अस्पतालों में काम करने वाले डेटा एंट्री ऑपरेटरों को अपनी-अपनी वर्दी पहनकर जंतर-मंतर पहुंचना चाहिए। 1 मार्च को आम आदमी पार्टी जंतर-मंतर पर एक विशाल रैली का आयोजन करने जा रही है, जिसमें हमारे समर्थक बड़ी संख्या में शामिल होकर हमें और अरविंद केजरीवाल को आशीर्वाद देंगे। मो हल्ला क्लीनिक से निकाले गए डॉक्टर और नर्स तथा 10,000 बस मार्शल (जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी) भी रैली में शामिल होंगे। केजरीवाल, मनीष सिसोदिया जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ, उन कंडक्टरों, बस मार्शलों, डॉक्टरों और फार्मासिस्टों की ओर से मुद्दे उठाएंगे जो अपनी वर्दी में आएंगे। अरविंद जी ने इनके लिए कई लड़ाइयाँ लड़ी हैं। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को न्यायिक जांच में बिल्कुल भी खरा नहीं ।

रंग बरसे 2.0 ने बदली लखनऊ की होली की तस्वीर

लखनऊ,(संवाददाता)। होली के अवसर पर द अवियान में आयोजित रंग बरसे 2.0 कार्यक्रम धूमधाम और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

इस भव्य आयोजन ने शहरवासियों को एक प्रीमियम और यादगार होली अनुभव प्रदान किया। यह कार्यक्रम केवल रंगों का उत्सव नहीं रहा, बल्कि संगीत, मनोरंजन और उमंग से भरपूर एक संपूर्ण फेस्टिव एक्सपीरियंस के रूप में सामने आया। आयोजन के दौरान जीवंत और स्किन-फ्रेंडली ऑर्गेनिक रंगों के साथ सुरक्षित वातावरण में होली खेली गई। लाइव म्यूजिक और पावर-पैक्ड प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया। ।दींनउंद ंदक ठंदक की दमदार प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे, वहीं क्श्र ब्तलेजंस की हाई-एनर्जी बीट्स पर युवाओं ने जमकर उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन ।दबीवतैंदरंद ने अपने प्रभावशाली और आकर्षक अंदाज में किया, जिसने पूरे आयोजन में जोश बनाए रखा। जनरल मैनेजर आकाश सिंह राठौर ने आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि,रंग बरसे 2.0 का उद्देश्य लखनऊ के लोगों को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और प्रीमियम होली अनुभव देना था।

टीम प्लेयर नहीं बने तो खैर नहीं! पंजाब कांग्रेस नेताओं पर बरसे राहुल, दी बड़ी चेतावनी

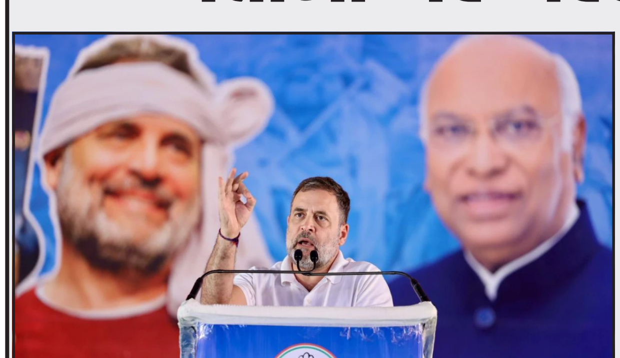

पंजाब : पंजाब कांग्रेस में बढ़ती गुटबाजी पर राहुल गांधी ने बरनाला में पार्टी नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेताओं को टीम प्लेयर बनकर काम करना होगा, अन्यथा वह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उन्हें पार्टी से साइडलाइन कर देंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को पंजाब में पार्टी कार्यकताओं को चेतावनी दी कि वे टीम प्लेयर बनें, अन्यथा पार्टी हाई कमांड उन्हें ठीक कर देगा। पंजाब के बरनाला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी नेता पार्टी से बड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। काम टीम वर्क से होता है। एक खिलाड़ी खेल नहीं जीत सकता। यहां हमारी पूरी टीम बैठी है, और मैं आपको एक संदेश देना चाहता हूं। टीम प्लेयर बनें, वरना हम आपको रिजर्व में रख देंगे। आप चाहे कितने भी बड़े नेता क्यों न हों। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको बता रहा हूं, आप चाहे कितने भी बड़े नेता क्यों न हों, कोई भी पार्टी से बड़ा नहीं होता। टीम प्लेयर बनें। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो खरगे जी और मैं आपको ठीक कर देंगे। हमारी असली ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। वे ही हमारी असली ताकत हैं। राहुल गांधी की ये टिप्पणियां 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी की अफवाहों के बीच आई हैं। कांग्रेस नेताओं के बीच दरार तब और बढ़ गई जब कांग्रेस से निलंबित होने के कुछ महीनों बाद, पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने 1 फरवरी को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग पर भ्रष्टाचार के आरोपों को दोहराया। एक पोस्ट में, नवजोत कौर सिद्धू ने राजा वारिंग पर कांग्रेस के खिलाफ आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राजा वारिंग, अब तक के सबसे घिनौने, अक्षम और भ्रष्ट अध्यक्ष। आपने मुख्यमंत्री के साथ मिलकर कांग्रेस को बर्बाद करके खुद को जेल जाने से बचा लिया। आपने आम आदमी पार्टी के साथ मिलीभगत करके छोटे-मोटे फायदे के लिए पार्टी बेच दी। मेरे लिए तो आपके पास निलंबन पत्र तैयार था, लेकिन उन लगभग 12 वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का क्या जो नवजोत को नुकसान पहुंचाने के लिए मजीठिया के साथ काम कर रहे थे? और आपने नवजोत को हराने के लिए उन सभी को बड़े पदों से नवाजा।

होली पर्व के दौरान, यात्रा सुगम बनाने के लिए उत्तर रेलवे पूरी तरह तैयार: महाप्रबंधक ने नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों का निरीक्षण किया

नई दिल्लीः आगामी होली पर्व के दौरान यात्रियों की यात्रा सुगम बनाने के मद्देनजर, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पांडे ने आज नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य त्योहार के दौरान भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा और स्वच्छता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करना था। महाप्रबंधक के साथ दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक (उम्रट) श्री पुष्पेश रमन त्रिपाठी और उत्तर रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने इन व्यस्त स्टेशनों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। *यात्रियों का फीडबैकः* ₹पहले से सुगम हुई यात्रा₹ निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसरों और प्लेटफार्मों पर जाकर यात्रियों से सीधा संवाद किया। यात्रियों ने होली पर्व के दौरान की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं की सराहना कीः *सुगम व्यवस्थाः* यात्रियों ने बताया कि प्रवेश द्वारों पर सुगम आवाजाही है और टिकट काउंटरों पर कोई विशेष भीड़ नहीं दिख रही है। *व्यवस्थित होल्डिंग एरियाः* यात्रियों ने होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्रों) के प्रबंधन की प्रशंसा की, जिससे प्लेटफार्मों पर अधिक भीड़ जमा नहीं हो रही है। स्वच्छताः* भारी भीड़ के बावजूद स्टेशन परिसर में स्वच्छता के बेहतर स्तर को देखकर यात्री प्रभावित नजर आए। सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान* महाप्रबंधक ने फुट ओवर ब्रिज (ऋडइ), एस्केलेटर और प्लेटफार्म प्रवेश द्वारों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर कर्मचारियों की तैनाती की समीक्षा की। प्रत्येक यात्री की गरिमा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है,₹ महाप्रबंधक ने कहा। ₹होल्डिंग एरिया और प्लेटफार्मों पर भीड़ के प्रवाह की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि त्योहारी यात्रा यात्रियों के लिए परेशानी के बजाय आनंदमयी हो।₹* फ्रंटलाइन स्टाफ का उत्साहवर्धन बुनियादी ढांचे की समीक्षा के अलावा, महाप्रबंधक ने स्टेशन कर्मचारियों और आरपीएफ (प्ढत्र) कर्मियों से संवाद किया। उन्होंने भीड़ के दौरान उन्हें सतर्क और यात्रियों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सक्रिय उपस्थिति ही इस त्योहारी सीजन के सफल संचालन की आधारशिला है। अधिकारियों को निर्देश निरीक्षण का समापन सभी रेल अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट निर्देश के साथ हुआः निरंतर निगरानी बनाए रखें। महाप्रबंधक ने निर्देश दिया कि वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भीड़ प्रबंधन की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक यात्री को स्पष्ट सूचना और समय पर सहायता प्राप्त हो।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर 110 होली विशेष गाड़ियों का संचलन 706 फेरों में

गोरखपुर, 28 फरवरी, 2026: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05125/05126 छपरा-गोरखपुर कैंट-छपरा अनारक्षित होली विशेष गाड़ी का संचलन 02 से 31 मार्च, 2026 तक सप्ताह में 05 दिन (बृहस्पतिवार एवं रविवार को छोड़कर) 22 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05125 छपरा-गोरखपुर कैंट अनारक्षित होली विशेष गाड़ी 02 से 31 मार्च, 2026 तक सप्ताह में 05 दिन (बृहस्पतिवार एवं रविवार को छोड़कर) छपरा से 04.15 बजे प्रस्थान कर बकुल्हा से 04.40 बजे, सुरेमनपुर से 04.57 बजे, दल छपरा से 05.07 बजे, रेवती से 05.16 बजे, सहतवार से 05.28 बजे, बलिया से 05.52 बजे, फेफना से 06.06 बजे, रसड़ा से 06.26 बजे, रतनपुरा से 06.40 बजे, इन्दारा से 07.30 बजे, बेलथरा रोड से 07.55 बजे, भटनी से 09.00 बजे तथा देवरिया सदर से 09.25 बजे छूटकर गोरखपुर कैंट 10.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05126 गोरखपुर कैंट-छपरा अनारक्षित होली विशेष गाड़ी 02 से 31 मार्च, 2026 तक सप्ताह में 05 दिन (बृहस्पतिवार एवं रविवार को छोड़कर) गोरखपुर कैंट से 16.45 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 17.37 बजे, भटनी से 18.07 बजे,बेलथरा रोड से 18.47 बजे, इन्दारा से 20.05 बजे, रतनपुरा से 20.25 बजे, रसड़ा से 20.39 बजे, फेफना से 21.02 बजे, बलिया से 21.20 बजे, सहतवार से 21.42 बजे, रेवती से 21.54 बजे, दल छपरा से 22.04 बजे, सुरेमनपुर से 22.14 बजे तथा बकुल्हा से 22.27 बजे छूटकर छपरा 23.10 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 12 कोच लगाये जायेंगे।

कासगंज-मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार अछनेरा तक/से किया जायेगा।

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 55335/55336 कासगंज-मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार गंगापुर सिटी तक/से तथा 55339/55340 कासगंज-मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार अछनेरा तक/से किया जायेगा। मार्ग विस्तार के फलस्वरूप कासगंज से 01 से 15 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55335 कासगंज-गंगापुर सिटी सवारी गाड़ी कासगंज से 11.40 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये मथुरा जं. से 15.20 बजे, भरतपुर से 15.55 बजे, बयाना से 16.25 बजे, हिण्डौन सिटी से 16.55 बजे तथा श्री महावीर जी से 17.07 बजे छूटकर गंगापुर सिटी 18.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, गंगापुर सिटी से 01 से 15 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55336 गंगापुर सिटी-कासगंज सवारी गाड़ी गंगापुर सिटी से 19.00 बजे प्रस्थान कर श्री महावीर जी से 19.25 बजे, हिण्डौन सिटी से 19.37 बजे, बयाना से 20.05 बजे, भरतपुर से 20.40 बजे तथा मथुरा जं. से 22.00 बजे छूटकर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन कासगंज 00.30 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार, मार्ग विस्तार के फलस्वरूप कासगंज से 01 मार्च से 31 अगस्त, 2026 तक चलने वाली 55339 कासगंज-अछनेरा सवारी गाड़ी कासगंज से 21.20 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये मथुरा जं. से 23.50 बजे, दूसरे दिन भैंसा से 00.15 बजे तथा परखम से 00.27 बजे छूटकर अछनेरा 01.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, अछनेरा से 02 मार्च से 01 सितम्बर, 2026 तक चलने वाली 55340 अछनेरा-कासगंज सवारी गाड़ी अछनेरा से 04.20 बजे प्रस्थान कर परखम से 04.35 बजे, भैंसा से 04.47 बजे तथा मथुरा जं. से 05.45 बजे छूटकर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये कासगंज 08.40 बजे पहुँचेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर 110 होली विशेष गाड़ियों का संचलन 706 फेरों में

गोरखपुर, 28 फरवरी, 2026: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05071/05072 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 02 से 16 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 03 से 17 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05071 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल होली विशेष गाड़ी 02 से 16 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को छपरा से 15.00 बजे प्रस्थान कर मशसख से 16.02 बजे, दिघवा दुबौली से 16.24 बजे, थावे से 17.55 बजे, पडरौना से 19.22 बजे, रामकोला से 19.44 बजे, कप्तानगंज से 20.15 बजे, गोरखपुर से 21.25 बजे, खलीलाबाद से 22.05 बजे, बस्ती से 22.47 बजे, गोंडा से 23.55 बजे, दूसरे दिन बुढ़वल से 01.32 बजे, सीतापुर से 03.20 बजे, शाहजहाँपुर से 05.22 बजे, बरेली से 06.22 बजे, मुरादाबाद से 07.58 बजे तथा गाजियाबाद से 09.50 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 10.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05072 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा होली विशेष गाड़ी 03 से 17 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 11.30 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 12.45 बजे, मुरादाबाद से 15.30 बजे, बरेली से 16.59 बजे, शाहजहाँपुर से 18.17 बजे, सीतापुर से 20.00 बजे, बुढ़वल से 21.42 बजे, गोंडा से 23.20 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.32 बजे, खलीलाबाद से 01.07 बजे, गोरखपुर से 01.50 बजे, कप्तानगंज से 02.55 बजे, रामकोला से 03.22 बजे, पडरौना से 03.44 बजे, थावे से 05.40 बजे, दिघवा दुबौली से 06.40 बजे तथा मशसख से 07.02 बजे छूटकर छपरा 08.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर 110 होली विशेष गाड़ियों का संचलन 706 फेरों में

गोरखपुर, 28 फरवरी, 2026: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05101/05102 गोरखपुर-नई दिल्ली-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 05 से 14 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार एवं शनिवार को तथा नई दिल्ली से 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली होली विशेष गाड़ी 05 से 14 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार एवं शनिवार को गोरखपुर से 18.00 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद से 18.40 बजे, बस्ती से 19.22 बजे, गोंडा से 20.30 बजे, बुढ़वल से 22.07 बजे, सीतापुर से 23.55 बजे, दूसरे दिन शाहजहाँपुर से 01.27 बजे, बरेली से 02.50 बजे, मुरादाबाद से 04.30 बजे तथा गाजियाबाद से 06.50 बजे छूटकर नई दिल्ली 07.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05102 नई दिल्ली-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को नई दिल्ली से 09.45 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 10.32 बजे, मुरादाबाद से 13.00 बजे, बरेली से 14.47 बजे, शाहजहाँपुर से 16.10 बजे, सीतापुर से 17.50 बजे, बुढ़वल से 19.32 बजे, गोंडा से 21.10 बजे, बस्ती से 22.22 बजे तथा खलीलाबाद से 22.57 बजे छूटकर गोरखपुर 23.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 08 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर 110 होली विशेष गाड़ियों का संचलन 706 फेरों में

गोरखपुर, 28 फरवरी, 2026: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05089/05090 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 05 से 14 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार एवं शनिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05089 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल होली विशेष गाड़ी 05 से 14 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार एवं शनिवार को छपरा से 20.00 बजे प्रस्थान कर मशसख से 21.02 बजे, दिघवा दुबौली से 21.24 बजे, थावे से 22.55 बजे, दूसरे दिन पडरौना से 00.22 बजे, रामकोला से 00.44 बजे, कप्तानगंज से 01.15 बजे, गोरखपुर से 02.25 बजे, खलीलाबाद से 03.05 बजे, बस्ती से 03.47 बजे, गोंडा से 04.55 बजे, बुढ़वल से 06.32 बजे, सीतापुर से 08.20 बजे, शाहजहाँपुर से 09.52 बजे, बरेली से 11.24 बजे, मुरादाबाद से 13.00 बजे तथा गाजियाबाद से 16.47 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 18.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05090 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा होली विशेष गाड़ी 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 19.40 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 20.20 बजे, मुरादाबाद से 22.50 बजे, दूसरे दिन बरेली से 00.05 बजे, शाहजहाँपुर से 01.14 बजे, सीतापुर से 03.10 बजे, बुढ़वल से 04.52 बजे, गोंडा से 06.30 बजे, बस्ती से 07.42 बजे, खलीलाबाद से 08.17 बजे, गोरखपुर से 09.10 बजे,कप्तानगंज से 10.15 बजे, रामकोला से 10.42 बजे, पडरौना से 11.04 बजे, थावे से 13.00 बजे, दिघवा दुबौली से 14.00 बजे तथा मशसख से 14.22 बजे छूटकर छपरा 15.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

एएमयू के छात्र समूह टी4 थिएटर ने मतदान जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों पर आधारित समूह टी4 थिएटर ने नगर के कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में मतदान हमारा अधिकारह्व शीर्षक से एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक का उद्देश्य लोगों में चुनावी जागरूकता बढ़ाना और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश देना था। नाटक में सरकार गठन में मतदान की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्या गया और यह बताया गया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हर एक वोट की अहमियत होती है। विशेष रूप से महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की भूमिका पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा, अलीगढ़ के जिलाधिकारी संजीव रंजन, एसएसपी नीरज कुमार जादौन, मुख्य विकास अधिकारी योगेंद्र कुमार तथा मंडलायुक्त संगीता सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रचनात्मक माध्यम से जनता को जागरूक करने का यह प्रभावी प्रयास है। नाटक का निर्देशन ऋषभ राजपूत और मोहम्मद अकरम ने मोहम्मद तल्हा ठाकुर के मार्गदर्शन में किया। कलाकारों में फलक रजा, यमन खान, गीतिका शर्मा, आकाश, समद खान, अरीब जुबैरी और जोहेब अहमद शामिल रहे। दमदार संवाद और जोशीली प्रस्तुति के माध्यम से टीम ने युवाओं और नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपील की। यह पहल क्षेत्र में नागरिक जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा मंश एक सार्थक कदम के रूप में सराही गई।

रिंकू सिंह अलीगढ़ से कोलकाता रवाना,टीम इंडिया से जुड़ेंगे, रिश्तेदारों से बोले- मां का ख्याल रखना

अलीगढ़,(संवाददाता)। क्रिकेटर रिंकू सिंह शनिवार को अलीगढ़ से कोलकाता के लिए रवाना हो गए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्ट इंडीज के खिलाफ श्करो या मरोश वाले मुकाबले से पहले टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी को बताया था कि रिंकू शनिवार को टीम में शामिल हो रहे हैं। दरअसल, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच एक वर्चुअल नॉकआउट है, जिसमें जीतने वाली टीम ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी। रिंकू ने अब तक टूर्नामेंट की 5 पारियों में 24 रन बनाए हैं। यह रिंकू का पहला ही वर्ल्ड कप है। इससे पहले शुक्रवार को रिंकू के पिता खानचंद सिंह का नोएडा के अस्पताल में निधन हो गया था। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। रिंकू पिता के अंतिम संस्कार के लिए चेन्नई से सीधे अलीगढ़ पहुंच गए थे। रिंकू के बड़े भाई सोनू घ्शनिवार सुबह पिता की अस्थियां गंगा में विसर्जित करने राजघाट गए थे। सोनू के वापस लौटने के बाद रिंकू दोपहर 12 बजे अलीगढ़ से दिल्ली के लिए निकले। वहां से शाम 5 बजे फ्लाइट पकड़कर कोलकाता पहुंचेंगे। रिंकू के घर के बाहर सांत्वना देने पहुंचे रिश्तेदारों का कहना है कि उन्हें अब मम्मी की चिंता सता रही है। उन्होंने बताया कि रिंकू पिता की तेरहवीं के लिए वापस अलीगढ़ आएंगे। रिंकू सिंह 24 फरवरी को भी चेन्नई से फ्लाइट लेकर नोएडा पहुंच गए थे। उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप का प्रैक्टिस सेशन छोड़ना पड़ा था। करीब 6 घंटे वह पिता के पास हॉस्पिटल में रहे थे। इसके बाद वह चेन्नई वापस जाने लगे।

जवां में गोकशी के अवशेष मिले,हिंदू रक्षा दल ने पुलिस को दी तहरीर

अलीगढ़,(संवाददाता)। जवां क्षेत्र में शनिवार को एक बार फिर गोकशी की घटना सामने आई। हैबतपुर सिया क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल के पास गोवंश के अवशेष एक खुले प्लास्टिक के बोरे में पाए गए। सूचना मिलने पर हिंदू रक्षा दल अलीगढ़ के जिला संयोजक भूपेंद्र राजपूत मौके पर पहुंचे। उन्होंने अन्य हिंदूवादी संगठनों को सूचित किया और तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी।

बसपा विधायक के फार्म हाउस और होटल पर आयकर का डेरा, तीसरे दिन भी खंगाले गए रिकॉर्ड

बलिया। बलिया जिले में रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह के फार्म हाउस और होटल पर आयकर विभाग की टीम ने तीसरे दिन भी दस्तावेज खंगाले। इस दौरान आसपास के लोगों में तरह- तरह की चचाएं होती रहीं। बलिया जिले के रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर शुक्रवार को तीसरे दिन भी आयकर विभाग की जांच जारी रही। थाना क्षेत्र के खनवर फार्म हाउस, रसड़ा के छितौनी स्थित होटल स्काई, प्लांट पर आईटी टीम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच करती रही है। गांव में विधायक के छोटे भाई रमेश सिंह, उनकी पत्नी व पिता घुरहू सिंह रहते हैं। गांव के बाहर फॉर्म हाउस पर व्यवसाय व पार्टी से जुड़ा कार्यालय है। चर्चा है कि फॉर्म हाउस व प्लांट कार्यालय से करीब सवा करोड़ रुपये कैश बरामद कर अधिकारियों ने नगरा स्टेट बैंक में जमा कराया गया है, लेकिन इसकी अधिकारी पुष्टि नहीं हो पा रही है। अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। उमाशंकर सिंह के पैतृक गांव खनवर स्थित फॉर्म हाउस व छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन के प्लांट पर देर शाम तक टीम जमी रही। बाहरी लोगों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहा। अन्य दिनों की अपेक्षा गहमागहमी कम रही। तीसरे दिन अधिकारियों की संख्या कम रही, सुबह फॉर्म हाउस के अंदर छह बाहन खड़े थे, शाम चार बजे के बाद परिसर में नौ वाहन थे। प्लॉट का गेट खुला हुआ है, अंदर काम ठप था। दो तीन कर्मचारी बैठे थे। उन्हें छापे के संबंध में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस भी मौजूद रही। कारोबारी के साथ बैंक पहुंची आयकर विभाग की टीम सोनभद्र जिले में खनन कारोबारियों के ठिकाने पर आयकर विभाग की जांच तीसरे दिन भी जारी रही। शुक्रवार को आयकर अधिकारी ओबरा में एक कारोबारी को लेकर बैंक भी पहुंचे। उसके बैंक खाते और लॉकर का ब्योरा खंगाला। बाद में उसे सीज कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक जांच में बड़ी वित्तीय अनियमितता पाई गई। भारी मात्रा में नकदी बरामदगी की भी चर्चा रही। हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं पाई। करीब 56 घंटे बाद शाम 6 बजे अधिकांश ठिकानों पर जांच बंद कर टीम लौट गई आयकर अधिकारियों की टीम बुधवार की सुबह 10 बजे लग्जरी वाहनों के काफिले के साथ पहुंची थी। रॉबर्ट्सगंज, ओबरा, चोपन में खनन कारोबारियों के आठ ठिकानों पर एक साथ धमकी टीम ने जांच शुरू की। बृहस्पतिवार की रात रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह की फर्म छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन के दफ्तर व क्रशर प्लांट पर जांच बंद हो गई थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से घायल की 13 दिन बाद मौत, एफआईआर

अलीगढ़(संवाददाता)। दादों थाना क्षेत्र के सिंधौली कला गांव में ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हुए युवक की 13 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पहले ट्रैक्टर मालिक से समझौते की कोशिश की, लेकिन बात न बनने पर अब पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराया है। गौरतलब है कि विगत 2 फरवरी को सिंधौली कला गांव निवासी जितेंद्र कुमार खेत से काम कर घर लौट रहे थे। इसी बीच गांव के तिराहे पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जितेंद्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उन्हें निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। हालत में सुधार न होता देख परिजनों ने जितेंद्र को अलीगढ़ के जेएनएमसी अस्पताल भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन हालत जस की तस बनी रही। विगत 13 फरवरी दोपहर करीब 1.40 बजे डॉक्टरों ने जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक के भाई सतीश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि बदायूं के जरीफनगर थाना अंतर्गत मदारपुर गांव निवासी ट्रैक्टर चालक गुड्डू लापरवाही से ट्रैक्टर चला रहा था। उसी की तेज रफ्तार और असावधानी के कारण यह हादसा हुआ। परिजनों ने बताया कि दुर्घटना के प्रत्यक्षदर्शी सुरेंद्र, प्रमोद ने पूरी घटना अपनी आंखों से देखी। परिवार के अनुसार, हादसे के बाद से ही ट्रैक्टर मालिक के साथ समझौते की बातचीत चल रही थी। परिजन चाहते थे कि आपसी सहमति से मामला सुलझ जाए। हालांकि 24 फरवरी को ट्रैक्टर मालिक ने समझौते से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद मृतक के भाई सतीश कुमार ने दादों थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। थाना प्रभारी सरिता द्विवेदी ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे और ट्रैक्टर चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। युवक की मौत से गांव में शोक के साथ-साथ आक्रोश भी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार वाहन लगातार खतरा बन रहे हैं।

कॉलेज के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग में युवक की मौत

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ के गांधी पार्क थाना क्षेत्र स्थित वार्ष्णेय कॉलेज के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने सरेराह फायरिंग कर दी। कॉलेज से बाहर निकल रहे दो युवकों को निशाना बनाकर की गई इस गोलीबारी में एक युवक की पीठ में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर भारी पुलिस बल है। घटना दोपहर करीब 12.45 बजे की है। वार्ष्णेय कॉलेज के छात्र और उनके साथी होली मिलन समारोह मनाकर बाहर निकल रहे थे। वहीं, कॉलेज के सामने पुल के नीचे बाइक सवार हमलावर पहले से ही घात लगाकर बैठे थे। जैसे ही युवक वहां पहुंचे, हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमले में नूरी (नौटी) निवासी अंशु तोमर की मौके पर ही जान चली गई। यह एक कारखाने में मजदूरी करता था। वहीं, बीए तृतीय वर्ष के छात्र पृथ्वीराज चौहान के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उपचार करा रहे घायल पृथ्वीराज चौहान का आरोप है कि हमलावर धीरज ठाकुर डीएस कॉलेज का छात्र है।

दो दुकानों में लगी आग,फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, कोई जनहानि नहीं हुई

नोएडा,(संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-1 में दो अस्थायी दुकानों में भीषण आग लग गई। यह घटना शनिवार सुबह हुई ,सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। यह आग अरिहंत ऑर्डन सेक्टर-1 सोसाइटी के सामने बने स्थानीय बाजार की दो टीन शेड वाली दुकानों में लगी थी। आग लगने के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।पास में अन्य दुकान भी थी,आग तेज होता देख लोगों ने दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि दमकल विभाग को 6.57 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना के बाद तीन अग्निशमन वाहन मौके के लिए रवाना किए गए, हालांकि आग बुझाने के लिए केवल एक वाहन की आवश्यकता पड़ी। अग्निशमन इकाइयों द्वारा आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया है और किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है।

स्काईवॉक में टेक्निकल फॉल्ट को किया जाएगा दूर

नोएडा,(संवाददाता)। नोएडा में ब्लू लाइन के सेक्टर-52 और एक्वा लाइन के सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाला स्काईवॉक जल्द शुरू किया जाएगा। इस स्काईवॉक में सेक्टर-51 की बीम को लेकर आई टेक्निकल समस्या को अब दूर किया जाएगा। ये बीम सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन के एंट्री पर है। जिस पर पूरे प्लेटफार्म और मेट्रो स्टेशन का भार टिका है। इसको हटाने से पहले स्ट्रक्चर जांच की गई। अब इसकी फ्रेमिंग की जाएगी। इसका फ्रेम तैयार कर लिया गया है। संभवता एक महीने में इस फ्रेम को लगा दिया जाएगा। इसके बाद इस स्काईवॉक को आम लोगों के लिए खोला जा सकता है। हालांकि अब भी सेफ्टी मेजर इश्यू से बचने के लिए आईआईटी से रिपोर्ट लेंगे। बताया गया कि सेक्टर-52 की तरफ भी एक बीम है। जिसे हटाया नहीं जाएगा बल्कि इसे रैंप का रूप दिया जा सकता है। स्काईवॉक का निर्माण जून 2023 में शुरू हुआ था। इसे महज पांच महीने में पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक काम अधूरा है। इस दौरान प्राधिकरण करीब 40 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। मौजूद हालत में मुसाफिर दोनों स्टेशन पर सड़क के रास्ते से जाते है। बनाया गया पाथ वे भी बंद है। प्राधिकरण ने इस मामले में आईआईटी से मदद लेने का निर्णय लिया है। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टर-52 स्टेशन की तरफ जोड़ने में भी अभी कुछ दिक्कतें सामने आ रही हैं। प्राधिकरण के जीएम एसपी सिंह ने बताया कि बीम को लेकर आईआईटी से सेफ्टी रिपोर्ट ली जाएगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। सेफ्टी रिपोर्ट लेने से लेकर वर्तमान बीम को हटाने समेत अन्य काम करने में करीब एक महीने का समय लग जाएगा।

किसान यूनियन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन,खाद, बिजली और अन्ना प्रथा पर 3 सूत्रीय मांगें रखीं

बांदा,(संवाददाता)। किसान यूनियन ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें जनपद के किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए तीन सूत्रीय मांगें रखी गई हैं। यूनियन ने ज्ञापन में बताया कि जनपद के किसान खाद की समस्या से जूझ रहे हैं। समय पर खाद न मिलने के कारण उन्हें बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों के हित को देखते हुए इस समस्या का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की गई है। दूसरी समस्या यह बताई गई कि समय से बिजली न मिलने के कारण जनपद में नलकूपों का सही संचालन नहीं हो पा रहा है। इससे फसलें प्रभावित हो रही हैं और किसान परेशान हैं। यूनियन ने समय रहते बिजली की उचित व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि किसानों को दिक्कत न हो। इसके अतिरिक्त, जनपद में अन्ना प्रथा से किसान परेशान हैं। गौशालाओं का प्रबंधन उचित तरीके से नहीं हो रहा है, जिससे गायें मर रही हैं और चारे की उचित व्यवस्था नहीं की जा रही है। भूखी गायों को किसानों के खेतों में छोड़ दिया जाता है, जिससे फसलें प्रभावित होती हैं।

महिला दिवस से पहले क्रियाशील होंगे 42 जनपदों के सरकारी विद्यालयों में शौचालय

लखनऊ,(संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यानि आठ मार्च से ठीक पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा के उद्देश्य से बड़ा अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन्नाव, कानपुर नगर, रायबरेली, अयोध्या, रामपुर समेत प्रदेश के 42 जनपदों के सभी सरकारी विद्यालयों में बने शौचालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने समीक्षा बैठक में कहा कि आठ मार्च तक सभी विद्यालयों के शौचालय उपयोग योग्य स्थिति में होने चाहिए।

योगी सरकार कैंटोनमेंट अस्पतालों में देगी आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज की सुविधा

प्रयागराज के कैंटोनमेंट अस्पताल में मिल रहा आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज

लखनऊ,(संवाददाता)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। प्रदेश के कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए जल्द ही स्टेट हेल्थ एजेंसी साचीज 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से एमओयू साइन करेगी। प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में पहले से ही आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज किया जा रहा है। योगी सरकार ने प्रदेश के अन्य कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज मुहैया कराने का निर्णय लिया है। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि जनवरी-26 से प्रयागराज के कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। वहां पर मरीजों को कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी आदि गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, मुफ्त जांच एवं गंभीर मरीजों को मुफ्त परिवहन की सुविधा दी जा रही है, जिसके सफल परिणाम सामने आए हैं। प्रदेश के अन्य 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ एमओयू साइन किया जाएगा। स्टेट हेल्थ एजेंसी साचीज द्वारा औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना के कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों का उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। इन अस्पतालों के जुड़ने से प्रदेश में आयुष्मान योजना के तहत पैनल्ड अस्पतालों की संख्या और अधिक बढ़ जाएगी।साचीज की एसीईओ डॉ. पूजा यादव ने बताया कि कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ समन्वय से आयुष्मान कार्ड धारक को बेहतर विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से गंभीर और जटिल बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। इसके साथ ही गंभीर रोगियों के लिए पिक एंड ड्रॉप की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में आवश्यक प्रक्रियाओं को आयुष्मान योजना के अनुरूप ढाला जा रहा है। एमओयू के बाद इन अस्पतालों को योजना के पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों के उपचार, बिलिंग और क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सकेगी।

महिला दिवस से पहले क्रियाशील होंगे 42 जनपदों के सरकारी विद्यालयों में शौचालय

लखनऊ,(संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यानि आठ मार्च से ठीक पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा के उद्देश्य से बड़ा अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन्नाव, कानपुर नगर, रायबरेली, अयोध्या, रामपुर समेत प्रदेश के 42 जनपदों के सभी सरकारी विद्यालयों में बने शौचालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने समीक्षा बैठक में कहा कि आठ मार्च तक सभी विद्यालयों के शौचालय उपयोग योग्य स्थिति में होने चाहिए। उन्होंने दोहराया कि निर्माण कार्य पूरा होना पर्याप्त नहीं है बल्कि शौचालयों में स्वच्छता, नियमित सफाई, जल की उपलब्धता, बिजली व्यवस्था और सुरक्षित दरवाजों की स्थिति भी सुनिश्चित की जाए।सरकार का विशेष फोकस छात्राओं के लिए पृथक एवं सुरक्षित शौचालयों की उपलब्धता पर है।

अधिकारियों का मानना है कि स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय सुविधा मिलने से छात्राओं की विद्यालय में उपस्थिति बढ़ेगी, मासिक धर्म के दौरान सहजता होगी और ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी। महिला दिवस पर पहल बेटियों को सम्मानजनक शैक्षिक वातावरण देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक मानी जा रही है।शौचालयों की वास्तविक स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए प्रेरणा पोर्टल पर फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक विद्यालय को शौचालय के अंदर और बाहर की स्पष्ट तस्वीरें अपलोड करनी होंगी। इससे शासन स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं रहेगी। जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर विद्यालयों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि आठ मार्च की समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न होने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई तय की जाएगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों व सादगीपूर्ण जीवन के प्रतीक थे डॉ. राजेंद्र प्रसादः केशव

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्री मौर्य ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग, सादगी और उच्च आदर्शों का प्रतीक रहा है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के निर्माण तक प्रत्येक चरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक परंपराओं और जनकल्याण के प्रति उनका अटूट समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।राष्ट्र निर्माण में उनकी अग्रणी भूमिका रही।उनके योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वह सादगी, विनम्रता और उच्च आदर्शों के प्रतीक थे। श्री मौर्य ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन सादगी और नैतिकता का अनुपम उदाहरण था। राष्ट्रपति पद जैसे उच्च दायित्व पर आसीन रहने के बावजूद उन्होंने सदैव सरल जीवन शैली अपनाई और जनसामान्य से आत्मीय संबंध बनाए रखा। वे भारतीय संस्कृति, शिक्षा और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे। आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाएं। लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक समरसता और सुशासन की स्थापना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

लखनऊ,(संवाददाता)। विज्ञान संकाय एवंइंस्टीट्यूशन इनोवेशन समिति, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान दमें 28 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं अकादमिक ऊर्जा के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना एवं नवाचार का प्रतीक है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीआईपीईटी, लखनऊ के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. राजेश पांडा का विशेष व्याख्यान रहा। उन्होंने राष्ट्र निर्माण एवं सतत विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को अनुसंधान, नवाचार एवं कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसाइक्लिंग तथा सस्टेनेबल प्लास्टिक सर्कुलर इकॉनमी की अवधारणाओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक अपशिष्ट को वैज्ञानिक तकनीकों द्वारा पुनर्चक्रित कर उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित किया जा सकता है। अपने निष्कर्ष में उन्होंने प्रेरणादायी संदेश दिया उन्होंने विकसित भारतह्व के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। उनका व्याख्यान अत्यंत प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस अवसर पर वूमेन इन कैटलाइजिंग विकसित भारत तथा साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने विज्ञान में महिलाओं के योगदान, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास एवं तकनीकी नवाचार से संबंधित रचनात्मक एवं विचारोत्तेजक पोस्टर प्रस्तुत किए। पोस्टर प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. विनीता सिंह, अनुरिमा बनर्जी एवं डॉ. राजेश पांडा सम्मिलित रहे। प्रथम स्थान निकिता सिंह बी. ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान प्रतिष्ठा मिश्रा बी एस सी द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान अंशिका शर्मा बी एस सी प्रथम वर्ष, विजेताओं को प्रमाण पत्र से सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा मैथ अ मैजिक,स्टेट ए फन, बुरा न मानो मैथ्स है,व्हील्स ऑफ विजडम, फन हब तथा इनफिनिटी फन जोन जैसे आकर्षक स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों में गणितीय पहेलियाँ, तार्किक प्रश्न, रोचक ट्रिक्स, खेल एवं सांख्यिकीय गतिविधियों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि तर्क, रचनात्मकता और आनंद का माध्यम है। स्टॉलों पर भारी संख्या में महाविद्यालय की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया और मनोरंजक स्टालों का लुत्फ उठाया। वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बोनसाई संवर्धन पर विशेष स्टॉल लगाए गए, जिनमें पीपल एवं बरगद जैसे वृक्षों के बोनसाई प्रदर्शित किए गए। इन प्रदर्शनों के माध्यम से छात्राओं को यह बताया गया कि वैज्ञानिक तकनीकों द्वारा विशाल वृक्षों को लघु रूप में विकसित कर सीमित स्थान में भी हरित वातावरण बनाया जा सकता है। बोनसाई कला ने युवा पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण, धैर्य, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं सतत जीवनशैली की प्रेरणा का संचार किया। जूलॉजी विभाग द्वारा ष्फ्रेशवॉटर पौंड मैनेजमेंटष्विषय पर विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें तालाबों के पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता संरक्षण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई। इस प्रदर्शनी ने छात्राओं को जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. सुनीता सिंह द्वारा विज्ञान विषय पर हास्य कविता का प्रभावशाली पाठ भी किया गया। उनकी कविता ने यह दशार्या कि जीवन स्वयं एक अंतःविषय विज्ञान का सुंदर समन्वय है, जहाँ रसायन, भौतिकी, जीवविज्ञान एवं गणित परस्पर जुड़े हुए हैं। उनकी प्रस्तुति अत्यंत रोचक, प्रेरक एवं सराहनीय रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे प्रो. ऋचा शुक्ला ने प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, प्राचार्या महोदया, आयोजन समिति, समस्त विज्ञान संकाय के शिक्षकगण एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है, जो जिज्ञासा, तर्कशीलता एवं नवाचार को विकसित करता है।

राधा स्वामी सत्संग में बाबा गुरिंदर बोले, फोटो मत खींचिए, पहले हुजूर से मिलिए

लखनऊ,(संवाददाता)। मोहनलालगंज के माधव खेड़ा स्थित राधा स्वामी सत्संग व्यास आश्रम में दो दिवसीय सत्संग शुरू हो गया है। यहां शनिवार सुबह 9.30 बजे बाबा गुरिंदर सिंह ने प्रवचन दिया। यह प्रवचन 2 घंटे तक चला। ब्यास के बाद एक युवक ने बाबा से सेल्फी की जिद की। इस पर उन्होंने कहा अब फोटो बंद कर दिया है। पहले हुजूर से मिलिए। हुजूर जसदीप सिंह गिल राधा स्वामी सत्संग ब्यास (आरएसएसबी) के नए संरक्षक और संत सद्गुरु हैं। इन्हें 2 सितंबर 2024 को बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। लखनऊ में राधा स्वामी सत्संग ब्यास के इस आयोजन के लिए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। पुलिस के साथ सेवादार भी ट्रैफिक संभालने में जुटे हैं। बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने ब्यास संगत के दौरान कहा मानव जीवन का उद्देश्य आत्मिक उन्नति है। यह उन्नति निरंतर नाम सुमिरन, सेवा व सत्संग से ही संभव है। उन्होंने आपसी प्रेम, सद्भाव और संयमित जीवन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने में आध्यात्मिकता की अहम भूमिका है। कार्यक्रम की शुरूआत शबद वाणी से हुई, जिसके बाद प्रश्न,उत्तर सत्र आयोजित किया गया। अंत में संगत ने सामूहिक अरदास की और मानवता की भलाई की कामना की। आयोजन की व्यवस्था में सेवादारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सुरक्षा और पार्किंग व्यवस्था सुचारु रही, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को एडीसीपी दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने सत्संग ब्यास पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया था। उन्होंने एसीपी विकास कुमार पांडेय और प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी को दिशा-निर्देश भी दिए थे।प्रवचन में उत्तरप्रदेश के अमेठी, रायबरेली, प्रयागराज, उन्नाव, बनारस, बाराबंकी, सीतापुर सहित कई जिलों से अनुयायी पहुंचे। इसके अलावा बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, हिमाचल और पंजाब समेत कई राज्यों से भी श्रद्धालु आए। भक्तों के लिए पंडाल में सेक्टर-वाइज बैठने की व्यवस्था की गई है।

करंट से संविदा लाइनमैन की मौत, बिना शटडाउन 33 केवी लाइन पर चढ़ाने का आरोप

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा इलाके में 33 केवी लाइन ठीक करने चढ़े संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। शुक्रवार-शनिवार के बीच जगरानी अस्पताल के पास लाइन सही करने पहुंचा था। संविदा कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि बिना शटडाउन लिए ही 33 केवी लाइन पर काम कराया गया। छठामील निवासी परशुराम रावत (45) करीब 20 साल से बिजली विभाग में संविदा पर लाइनमैन का काम कर रह थे। उनकी तैनाती भेंड़हापुर, कल्याणपुर में थी। साथी कर्मचारी प्रदीप कुमार ने बताया शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे अधिकारी के आदेश पर टीम लाइन जोड़ने पहुंची थी। आरोप है कि काम शुरू करने से पहले बिजली घर से शटडाउन मांगा गया था लेकिन लाइन चालू रहने के दौरान ही तार बांधने को कहा गया। बताया गया कि जैसे ही लाइनमैन परशुराम ने सीढ़ी लगाकर पोल पर चढ़ना शुरू किया। उन्हें जोरदार करंट लगा और वह नीचे गिर पड़े। मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद अन्य कर्मचारियों का आरोप है कि हादसे के बाद जिम्मेदार अधिकारी शव को सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद विभागीय लापरवाही को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवार में उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है।

ब्राह्मण प्रबुद्ध समागम में यूजीसी मुद्दे पर नहीं बोलने पर दिनेश शर्मा पर ब्राह्मण भड़के

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ब्राह्मण समाज के लोगों ने पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा सांसद दिनेश शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है। ब्राह्मण प्रबुद्ध समागम में यूजीसी मुद्दे पर नहीं बोलने पर ब्राह्मण समाज नाराज हो गया। वह एक मिनट ही बोल पाए थे कि हंगामा शुरू हो गया। हंगामा और हूटिंग के बीच उन्होंने अपना भाषण अधूरा छोड़ दिया और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए मंच पर आकर बैठ गए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ब्राह्मण प्रबुद्ध समागम कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विभिन्न दलों के ब्राह्मण नेता शामिल हुए। पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा के अलावा पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा, यूपी कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय आदि पहुंचे। कार्यक्रम में निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री भी पहुंचे। वह बोले तो उन्हें जनता ने नहीं, आयोजकों ने चुप करा दिया। आयोजकों ने कहा मंदिर-चंदा जैसी बातें मत बोलिए, मुद्दे पर बोलिए। इस पर उन्हें सुन रहे लोगों ने अलंकार के समर्थन में नारेबाजी कर हंगामा कर दिया। अविमुक्तेश्वरानंद के मामले पर मीडिया ने अलंकार अग्निहोत्री से सवाल किया। इस पर उन्होंने कहा आका के आदेश के बाद उनका सम्मान करने से क्या फायदा। अलंकार अग्निहोत्री समागम से जाने लगे। उन्होंने एक सवाल पर कहा कि मुझे रोका गया लेकिन जनता ने साथ दिया।

इस होली सराफा बाजार में चांदी की पिचकारी और बाल्टी का ट्रेंड

लखनऊ,(संवाददाता)।2027 केयूपी विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इनमें मोदी-योगी छाप औरधनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है।गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं। होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ हिंदुस्तान की बोली-घर-घर होली जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम नरेंद्र मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड मेंहैं।इसके अलावा ऐसी सफेद्द टीशर्टआईहै जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी।होली केइस खास मौके पर सराफा मार्केट भी चहक रहा है। चांदी से बनी पिचकारी, बाल्टी, लड्डू गोपाल, काजू कतली और लड्डू खूब चर्चा मेंहैं।इस होली पर दिवाली का फील देने के लिए कलर पटाखे लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रंगीन विग के साथ अलग-अलग डिजाइन के फेस मास्क मार्केट मेंआए हैं।कुल्हड़ अनार, 5 से लेकर 16 शॉट वाला स्मोक पटाखा मिल रहा है।इसके साथ ही तीन फ्लेवर वाला आइसक्रीम पटाखा लोगों को खूब भा रहा है, जिसमेंसे वैनिला, स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट के तीन रंगों के साथ खुशबू भी फूटती है।सराफा एसोसिएशन के महामंत्री विनोद महेश्वरी ने बताया कि इस बार चांदी की पिचकारी और बाल्टी का ट्रेंड खासतौर पर देखा जा रहा है। यह होली को और भी भव्य और यादगार बना रहा है। चांदी की पिचकारी सिर्फ एक परंपरागत उपहार ही नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक आकर्षक निवेश भी मानी जा रही है। इसे नए जोड़ों और खासकर दामाद को गिफ्ट देने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। भगवान के साथ होली खेलने के लिए भी चांदी की पिचकारी का विशेष डिमांड हैजिसकेलिए लोग लड्डू गोपाल भी खूब खरीद रहे हैं।विनोद माहेश्वरी ने बताया कि चांदी की पिचकारी की कीमत 5 हजार से 1 लाख रुपए तक है। चांदी की बाल्टी की 5 हजार से लेकर 2लाख तक है। इसके अलावा लड्डू गोपाल के साथ पिचकारी, काजू-कतली, लड्डू, रंग भरने के लिए छोटी कटोरी का पूरा सेट हैजिसकी कीमत 1 लाख 80 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि सोना चांदी की मार्केट में जो उतार चढ़ाव आया उसका त्योहार पर कोई खास फर्क नहीं पड़ रहा है। क्योंकि, त्योहार बहुत कम समय के लिए होता हैइसलिए लोग इसमेंइन्वेस्टमेंट केनजरिये से खरीदारी करते हैं। रंग व्यापारी आकाश ने बताया कि बाजार में आइसक्रीम रंगीन पटाखा की डिमांड अधिक है। हरा, गुलाबी, लाल, पीला, नीला सहित आधा दर्जन गुलाल हैं। लेकिन, डिमांड केसरिया रंग की अधिक है ये साधारण रंगों से थोड़ा महंगा होता है। स्पेशल गिफ्ट पैक आए हैं, जिनकी कीमत 500 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक है। उन्होंने बताया कि थोक में गुलाल की कीमत 20 रुपए से लेकर 200 रुपए प्रति किलो है। पक्का रंग 200 से लेकर 2000 रुपए प्रति किलो है। रंग-पिचकारी व्यापारी आलोक ने बताया कि ये उनका पुश्तैनी धंधा है उनका परिवार 50 सालों से इस काम में है। अगले साल चुनाव है इसलिए मोदी-योगी पिचकारी की डिमांड है। इसके अलावा ब्रह्मोस मिसाइल पिचाकरी की भी चर्चा है।

ताजा खबर...

युवाओं को संदेश,बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने का आह्वान

लखनऊ,(संवाददाता)। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बा विशेष शिविर का आयोजन किया गया। काकोरी के बड़ागांव में चल रहे इस शिविर के छठवें दिन का मुख्य विषय शिक्षा, कौशल और युवा विकास रहा। इसमें युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया गया। विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत वीरोदय ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल डिग्री हासिल करना ही जीवन का लक्ष्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी का शेर सुनाकर समझाया कि शिक्षा का असली मकसद व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना है। प्रो. वीरोदय ने जोर दिया कि यदि युवा गांव और समाज से जुड़कर उनकी समस्याओं के समाधान में सक्रिय भागीदारी करेंगे, तभी देश का सही मायने में विकास होगा और शिक्षा सार्थक सिद्ध होगी। शिविर में विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग केंद्र के कार्यशाला प्रबंधक डॉ. रणजीत कुमार ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर की चुनौतियों से अवगत कराते हुए कहा कि आज के समय में तकनीकी दक्षता, बेहतर संचार कौशल और व्यवहारिक ज्ञान युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल विकास ही सफलता की असली कुंजी है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और स्वयंसेविकाओं ने एक जागरूकता रैली निकाली। उन्होंने ग्रामीणों और विद्यालय के बच्चों से संवाद किया तथा शिक्षा, करियर मार्गदर्शन और कौशल विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।यह पूरा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बृजेश कुमार राय और कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. देवेश कटियार, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. गौरव गोयल व नीरज दीक्षित की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

साइड टच होने से शीशा टूटा विरोध पर डंपर ने ट्रक क्लीनर को कुचला, मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह किसान पथ पर एक डंपर चालक ने ट्रक क्लीनर रौंद कर मार डाला। घटना शनिवार सुबह 10 बजे की है। क्लीनर ने अपने ट्रक में टक्कर मारने वाले डंपर को रोकने की कोशिश की। इसी दौरान डंपर ड्राइवर उसके ऊपर ट्रक चढ़ाते हुए भाग गया। मृतक की पहचान संदीप (35) के रूप में हुई। संदीप उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र सेमरा गांव का था। वह अपने ट्रक चालक फुरकान के साथ झांसी से कॉपी लादकर गोरखपुर जा रहा था। सुबह करीब 10 बजे कानपुर रोड से किसान पथ पर चढ़ने के बाद, नटकुर अंडरपास के पास पीछे से आ रहे डंपर (आरजे 11 जीसी 7531) ने उनके ट्रक के साइड में टक्कर मार दी, जिससे साइड शीशा टूट गया। यहीं विवाद हो गया जिसके बाद डंपर ड्राइवर संदीप के ऊपर गाड़ी चढ़ाते हुए भाग गया। टक्कर के बाद, क्लीनर संदीप नीचे उतरा और डंपर रुकवाकर चालक का विरोध करने लगा। आरोप है कि डंपर चालक नीचे उतरा और संदीप को दो-तीन थप्पड़ मारे। इसके बाद वह तेजी से अपने डंपर पर चढ़ा और संदीप के विरोध करने के बावजूद उसे रौंदते हुए वाहन सहित किसान पथ से नीचे उतरकर कानपुर रोड की ओर भाग निकला। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 और 108 एंबुलेंस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद संदीप को एंबुलेंस से सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और डंपर नंबर के आधार पर उसके चालक की तलाश कर रही है। ट्रक ड्राइवर फुरकान ने बताया मैं संदीप के साथ ट्रक से जा रहा था। मेरे ट्रक में डंपर टच होने से शीशा टूट गया। इस पर क्लीनर संदीप नीचे उतरा और डंपर वाले से बात करने लगा। उसे समझाने गया कि आखिर क्यों टक्कर मारी। इस पर डंपर का ड्राइवर नीचे उतरा और संदीप को 2-3 थप्पड़ भी मारे। जब तक मैं वहां पहुंचता तब तक वह फिर से डंपर पर चढ़ा और संदीप को कुचलते हुए चला गया।

बिल्डर ने होलिका की जमीन कब्जाई, किसानों ने नगर निगम ऑफिस घेरा

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन ने जोरदार प्रदर्शन किया। सरोजनी नगर के अटल बिहारी वॉर्ड में होलिका दहन की जमीन निजी बिल्डर द्वारा कब्जाने का आरोप लगाया। इस दौरान मेयर और नगर आयुक्त के चौम्बर के बाहर जमकर नारेबाजी हुई। हालात बिगड़ते देख मौके पर पुलिस बुलाई गई। जिसके बाद किसी तरह हालात काबू में आए। किसान यूनियन के सदस्यों का आरोप था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते अब होलिका दहन के लिए कोई स्थल नहीं बचा है। प्रदर्शन कर रहे है लोगों का यह भी कहना था कि स्थानीय लोगों में इसको लेकर जबरदस्त आक्रोश है। भारतीय किसान यूनियन (राकेश टिकैत गुट) के जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा का कहना था कि नवंबर महीने में निजी बिल्डर द्वारा होलिका दहन की जमीन पर कब्जा करने को लेकर शिकायत दी गई थी। नगर निगम के बड़े अफसर के संज्ञान में भी यह मामला लाया गया था। तभी कहा गया था कि निजी बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई होगी पर नगर निगम ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। जब कोई किसान नगर निगम की जमीन पर अपने किसी जानवर के लिए नांद रख लेता है तो तुरंत नगर निगम चालान कर देता है पर बड़े बिल्डरों के खिलाफ नगर निगम एक्शन लेने के लिए टालमटोल करता है। 3 महीने बाद भी जब एक्शन नहीं हुआ तब मजबूर होकर भारतीय किसान यूनियन यहां धरना दे रहा है। आज पहले हम लोग अपनी बात करने आए थे पर जब सुनवाई नहीं हुई तब मजबूर होकर धरना धरने पर बैठ गए।

फिक्की फ्लो ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार आयोजित की

लखनऊ,(संवाददाता)। सुजाता का सू और तान्या का टीए लेकर दो बहनों ने (सुता) के नाम से साड़ियों का ऐसा एंपायर खड़ा किया कि उनका ब्रांड महिला एंटरप्रेन्योरशिप की मिसाल बन गया। नौ साल पहले, जब दुनिया को लगता था कि साड़ियों का चलन खत्म हो रहा है, तब सु और ता ने इस सोच को एक क्रांति में बदल दिया। उनके नाम मिलकर सुता बना। संयोग से बंगाली में सुता का अर्थ धागा भी होता है-यही वह सार है जिसे वे बुनना चाहती थीं। धागों और कहानियों से शुरू हुआ यह सफर आज एक आंदोलन बन गया है। सुता की संस्थापक सुजाता और तान्या विश्वास को लखनऊ में थी। वे फिक्की फ्लो लखनऊ चौप्टर के कार्यक्रम में भाग लेने आयीं थी। होटल क्लार्क्स अवध में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उनकी मौजूदगी में एक प्रेरणादायक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुता सिस्टर्स ने भाग लिया, जिन्होंने अपने सपनों, दृढ़ संकल्प, और उद्यमशीलता के संकल्प की प्रेरणादायक यात्रा साझा की। उनकी कहानी ने उपस्थित महिला उद्यमियों को गहराई से प्रभावित किया ।

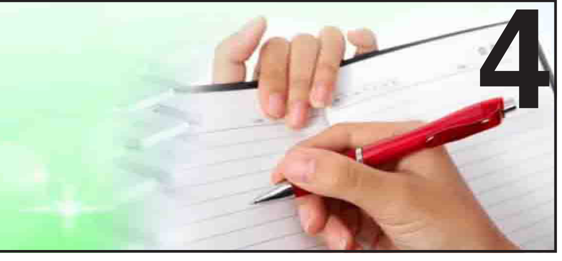

संपादकीय

आफत से राहत

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लॉन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आधार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, निचली अदालत के फैसले ने केजरीवाल, सिसोदिया तथा आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार तो कर ही दिया है। निश्चित रूप से दिल्ली में सरकार बनाने वाली भाजपा के लिये यह स्थिति असहज करने वाली है।

लंबे समय से पाठ्य पुस्तकों के जरिए खराब किया जा रहा है बच्चों का दिमाग

केवल एक निष्पक्ष जांच ही साजिश के सभी आयामों को सामने ला सकती है, जो 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरा बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या इस साजिश में आरएसएस-भाजपा कुनबे की सरकार शामिल है और साजिश की जड़ें कहीं उससे भी ज्यादा गहरी हैं जितनी कि अभी टिप्पणी की गयी है? मौजूदा मामले में, सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य चिंताएं न्यायपालिका के चित्रण, संस्थागत विश्वसनीयता को संभावित रूप से कमजोर करने और स्कूली छात्रों के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करने के तरीके के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। लेकिन, गहरी और सोची-समझी साजिश एक पुराना आरोप है जो 2014 से कई दूसरे मामलों से जुड़ी कई पाठ्यपुस्तकों में बदलाव के लिए लगाया जाता रहा है।

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी)की एक किताब पर पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है, और एक पाठ के खास संदर्भ में गहरी जड़ें और सुनियोजित साजिश शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार और उसके कामकाज पर चर्चा की गई है। केवल एक निष्पक्ष जांच ही साजिश के सभी आयामों को सामने ला सकती है, जो 2014 मेंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरा बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या इस साजिश में आरएसएस-भाजपा कुनबे की सरकार शामिल है और साजिश की जड़ेंकहीं उससे भी ज्यादा गहरी हैंजितनी कि अभी टिप्पणी की गयी है? मौजूदा मामले में, सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य चिंताएं न्यायपालिका के चित्रण, संस्थागत विश्वसनीयता को संभावित रूप से कमजोर करने और स्कूली छात्रों के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करने के तरीके के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। लेकिन, गहरी और सोची-समझी साजिश एक पुराना आरोप है जो 2014 से कई दूसरे मामलों से जुड़ी कई पाठ्यपुस्तकों में बदलाव के लिए लगाया जाता रहा है। भारत को यह जानने की जरूरत है कि आरएसएस-भाजपा की सरकार पाठ्यपुस्तक में बदलाव के जरिए हमारे बच्चों को एक खास तरीके से गुमराह करने के लिए पूरी शिक्षा प्रणाली को बदलने मेंकिस हद तक शामिल रही है। मौजूदा मामले में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने एनसीईआरटी और केंद्र और राज्य शिक्षा विभागों को यह पक्का करने का आदेश दिया है कि किताब की सभी कॉपी, चाहे वह हार्ड कॉपी हो या डिजिटल, जनता की पहुंच से हटा दी जाएं। सीजेआई ने कहा, श्हम और गहरी जांच चाहते हैं। हमें यह पता लगाना होगा कि कौन जिम्मेदार है और हम देखेंगे कि कौन लोग हैं। सजा मिलनी चाहिए! हम केस बंद नहीं करेंगे। विवादित बातें सामने आने के बाद एनसीईआरटी निदेशक द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को दी गई जानकारी पर पीठ ने कड़ी आपत्ति जताई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, श्किताब में जो कुछ भी बहुत ही बेइज्जती और लापरवाही से लिखा गया है, उस पर अपनी राय देने के बजाय, एससीईआरटी के निदेशक ने जवाब में लिखित सामग्री का बचाव किया। न्यायालय के आदेश में कहा गया, श्हमें ऐसा लगता है कि यह संस्थागत अधिकार को कमजोर करने और न्यायपालिका की इज्जत को गिराने की एक सोची-समझी चाल है। अगर इसे ऐसे ही चलने दिया गया, तो यह आम लोगों और युवाओं के आसानी से प्रभावित होने वाले मन में न्यायिक कार्यालय की पवित्रता को खत्म कर देगा। ये तो न्यायपालिका से जुड़े सिर्फ कुछ उदाहरण हैं। कई और भी मामले हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है, अगर भारत को उस गहरी और सोची-समझी साजिश का पदार्फाश करने की जरूरत है, जिसकी ओर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इंगित किया है। भारत में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को कैसे बदला जाता है, इस पर विवाद और राजनीतिक बहसें होती रही हैं कृ विपक्ष और नागरिक समाज के आलोचकों का दावा है कि ये बदलाव सरकार और उसके सैद्धान्तिक समर्थक भाजपा और आरएसएस की इतिहास और सामाजिक विज्ञान की पढ़ाई को नया रूप देने की कोशिश को दिखाते हैं।

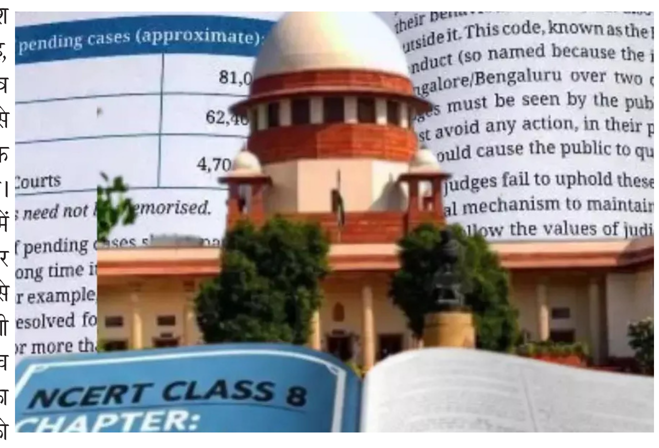

आलोचकोंकृ जिनमें नेता और अकादमिक भी शामिल हैं, का आरोप है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में हाल के बदलाव राजनीति से प्रेरित संपादन या इतिहास का भगवाकरण दिखाते हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एनसीईआरटी पर महात्मा गांधी की हत्या, आरएसएस पर प्रतिबंध और मुगल इतिहास के कुछ हिस्सों जैसी घटनाओं से जुड़े पाठ और भाग हटाने का आरोप लगाया है, और कहा है कि इनका मकसद इतिहास के बारे में आरएसएस से जुड़े नजरिए को बढ़ावा देना है। मणिकम टैगोर जैसे विपक्षी नेताओं ने कहा है कि भाजपा स्कूल की किताबों में आरएसएस के आख्यान को आगे बढ़ा रही है। अकादमिक योगेंद्र यादव और सुहास पलशिकर ने एनसीईआरटी द्वारा बिना उनकी मंजूरी के उनके नाम से बदली हुई पाठ्यपुस्तक प्रकाशित करने पर सबके सामने एतराज जताया। पाठ्यपुस्तकों को तर्कसंगत करने के पहले के दौर (जैसे, क्लास 9 और 12 में चौप्टर हटाना) की आलोचना की गई थी, जिसमें मुख्य ऐतिहासिक घटनाओं को नजरअंदाज करने या इस्लामिक इतिहास के कवरेज को कम करने की बातें कही गयी थीं। मुख्य आरोपों में से एक यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार फासीवाद का पालन करने के रास्ते पर चल रही है और देश पर सर्वोच्च नियंत्रण करने की कोशिश कर रही है, जिसमें न्यायपालिका को नियंत्रित करना भी शामिल है। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय की गहरी जड़ें और सुनियोजित साजिश्य की टिप्पणी का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतिहास के भगवाकरण का एक मुख्य आरोप रहा है। यह आरोप लगाया गया है कि पाठ्यपुस्तक को भाजपा और आरएसएस से जुड़े हिंदू राष्ट्रवादी नजरिए को दिखाने के लिए बदला जा रहा है। आलोचकों का तर्क है कि प्राचीन भारत को ज्यादा सभ्यता-गौरवशाली शब्दों में पेश किया गया है, वैदिक ज्ञान और स्वदेशी वैज्ञानिक उपलब्धियों पर जोर दिया गया है, इस्लामिक और मुगलकाल को तुलना में कम या फिर से बनाया गया है, और धर्मनिरपेक्ष इतिहास लेखन पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आगे रखा गया है। पाठ्यक्रमों को तर्कसंगत बनाने के (2020-2023) के दौर में, आलोचकों ने इन बातों पर ध्यान दिया था- मुगलों पर विस्तार से बताये गये पाठों को हटाना या छोटा करनाय दरबारी संस्कृति के संदर्भों में कमी, प्रशासन, और मिली-जुली परंपराएंय और दिल्ली सल्तनत के शासकों पर पाठ्य सामग्री को कम करना। इतिहासकारों का तर्क है कि इससे समानुपातिक ऐतिहासिक कवरेज बिगड़ती है। एनसीईआरटी का कहना है कि कटौती महामारी के समय में पाठ्यक्रम का बोझ कम करने का हिस्सा थी। महात्मा गांधी की हत्या और आरएसएस पर प्रतिबंध से जुड़े बदलावों में महत्वपूर्ण था महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध के जिक्र को कम करना या बदलना। इसने हत्या के आस-पास की चचाओं को भी नए सिरे से तैयार किया। आलोचकों का दावा है कि इससे आजादी के बाद के भारत में चरमपंथी राजनीति पर चर्चा कमजोर होती है। एनसीईआरटी का कहना है कि जरूरी तथ्य वैसे ही हैं और संपादन तकनीकी या पढ़ाने की प्रक्रिया से जुड़े थे। आज की राजनीतिक घटनाओं से जुड़ी पाठ्य सामग्री भी हटा दी गयी। हटाए गए या काटे गए पाठों में शामिल हैंरू 2002 के गुजरात दंगों पर चर्चाय विरोध और सामाजिक आंदोलनों पर पाठ्य सामग्रीय बढ़ती असहिष्णुता पर बहस के जिक्रय और कुछ वर्ग में लोकतंत्र और असहमति पर किताबों के कुछ भाग।

एआई शिखर सम्मेलन और कोटा के कोचिंग कारखाने

यह रोबोडॉग वास्तव में चीन से आयात किया गया था। इसी समय जुड़वां बच्चों ने देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा जो प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे। वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गई है और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है। इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत हैय दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है। उम्मीद है कि जुड़वां बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे और माता-पिता और देश को गौरवान्वित करेंगे। फिर भी दो कहानियां- एक विफलता की और दूसरी उपलब्धि की- भारत के लिए समान रूप से परेशान करने वाली हैं जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, (एसटीईएम- स्टेम)- साईंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) स्नातकों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन रचनात्मकता, नवाचार या विश्व स्तरीय समाधानों के मामले में बहुत खराब प्रदर्शन है जो देश और छात्रों द्वारा किए गए निवेश को सही ठहरा सकता है। हमने उस निजी विश्वविद्यालय की कड़ी निंदा की है जिसने एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे में 350 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था। लेकिन चिंता उत्पन्न करने वाले कु छ मुद्दे भी हैं।

जगदीश रत्नानी

जब देश नईदिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन से खुश था तभी एक विश्वविद्यालय द्वारा रोबोडॉग विकसित करने के भयानक दावे ने उसे विचलित कर दिया। यह रोबोडॉग वास्तव में चीन से आयात किया गया था। इसी समय जुड़वां बच्चों ने देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा जो प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे। वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गईहै और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है। इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत हैय दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है। उम्मीद है कि जुड़वां बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे और माता-पिता और देश को गौरवान्वित करेंगे। फिर भी दो कहानियां- एक विफलता की और दूसरी उपलब्धि की- भारत के लिए समान रूप से परेशान करने वाली हैं जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, (एसटीईएम- स्टेम)- साईंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) स्नातकों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन रचनात्मकता, नवाचार या विश्व स्तरीय समाधानों के मामले में बहुत खराब प्रदर्शन है जो देश और छात्रों द्वारा किए गए निवेश को सही ठहरा सकता है। हमने उस निजी विश्वविद्यालय की कड़ी निंदा की है जिसने एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे में 350 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था। लेकिन चिंता उत्पन्न करने वाले कु छ मुद्दे भी हैं। हमारे नियामक एक विश्वविद्यालय को लगभग हर नेतृत्व की स्थिति, शैक्षणिक और प्रशासनिक के साथ प्रवर्तक परिवार के सदस्य के कब्जे वाले कार्य करने की अनुमति कैसे देते हैं? जैसा कि इस मामले में आरोप लगाया गया है। आखिरकार पेटेंट फाइलिंग एक खेल कैसे बन जाता है या कोरोना वायरस को मारने के लिए बर्तनों को पीटने पर विश्वविद्यालय के तहत एक पेपर कैसे लिखा जाता है? इस घटना ने इस बात को उजागर किया कि भारत इन संदिग्ध साख वाले निजी संस्थानों द्वारा उच्च शुल्क पर चलने वाली शिक्षा प्रणाली में किस बुरी तरह फंस गया है। निजी क्षेत्र के कुछ उदाहरणों के अलावा जिनके पास उच्च मानक हैं या सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान जो संसाधनों और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर भारी दबाव के बावजूद रुके हुए हैं, भारत में शेष उच्च शिक्षा क्षेत्र के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। यह चिंताजनक है क्योंकि छात्रों की बड़ी संख्या सार्वजनिक संस्थानों के बजाय निजी संस्थानों में पढ़ती है। ग्लैमर और समझौता करने वाली सख्ती को जोड़कर विषमता जटिल तरीकों से खेलता है जबकि सार्वजनिक शिक्षा में घटता निवेश उन लोगों से अवसरों को दूर करता है जो निजी क्षेत्र द्वारा मांगी जाने वाली फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं। 2021-22 के नवीनतम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ें से पता चलता है कि देश में कुल विश्वविद्यालयों में सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 58.6 प्रतिशत हैं जिसमें कुल नामांकन का 73.7 प्रतिशत है। निजी विश्वविद्यालय (41.4 फीसदी), स्वायत्त, डिग्री देने वाले और आम तौर पर कहीं अधिक स्तर पर फीस के साथ कुल नामांकन का हिस्सा 26.3 प्रति सैकड़ा है जो और बढ़ रहा है। लेकिन यह पूरी तस्वीर नहीं है। निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त कॉलेजों की संख्या 78.5 प्रतिशत हैय सरकारी कॉलेज कुल कॉलेजों का 21.5 फीसदी हैं। इससे यह सामने आता है कि भारत में उच्च शिक्षा में अधिकांश नामांकन किसी न किसी रूप में निजी क्षेत्र के संस्थान में हैं। उच्च शिक्षा के निजीकरण की प्रवृत्ति अच्छी तरह से पहचानी, स्पष्ट है और अक्सर अभ्यास का विषय है। इसका खतनाक पहलू यह है कि सख्त मानदंडों और अच्छे विनियमन के अभाव में शिक्षा कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने का जरिया बन जाएगी (जैसे अस्पतालों में पहले से ही पैसा है) जबकि भारत का बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं रहेगा इसलिए विकास आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए देश सुसज्जित नहीं होगा। शिक्षा क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश शिक्षा के अपने व्यापक दृष्टिकोण के साथ नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की तैयारी कर रहा है जो न्यायसंगत, बहु-अनुशासनात्मक, समग्र और भारतीय लोकाचार में निहित है। यह नीति श्चरित्र निर्माण और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माण्य करने की बात करती है। सार्वजनिक निवेश के बिना इन लक्ष्यों तक पहुंचने की संभावना कम है।

होली के रंगों का बहाना पेश मोहब्बत का नजराना

होली के बहाने नायक-नायिका अपने दिल की बात कह देते हैं। परदे पर होली हमेशा से प्रेम के व्याकरण को समझाने वाला मधुर प्रसंग रही है, जहां गुलाल का एक टीका प्रेम पत्र से भी ज्यादा असरदार साबित होता है। हम भारतीयों के लिए रंगों का त्योहार होली सिर्फ रंग उड़ाने तक सीमित नहीं है। यह वह सामाजिक अवसर है, जहां मर्यादाओं की कठोर लकीरें थोड़ी धुंधली हो जाती हैं और भावनाओं को अभिव्यक्ति के लिए खुला आकाश मिलता है। हिंदी सिनेमा ने इस सांस्कृतिक तत्व को बखूबी समझा और परदे पर इसे मोहब्बत की शुरूआत के प्रसंग के रूप में स्थापित किया। फिल्म इतिहास में आप पाएंगे कि जो बातें बंद कमरों या संकोची मुलाकातों में नहीं हो सकीं, उन्हें फागुन की मस्ती और अबीर की परतों ने मुमकिन कर दिया। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण है। फिल्मों में ब्लैक एंड व्हाइट दौर से ही होली को एक ऐसे मूड की तरह इस्तेमाल किया गया, जहां नायक अपनी नायिका के प्रति अनुराग व्यक्त करने के लिए रंगों की आड़ लेता है। ऐसा कई फिल्मों में हुआ है। सिनेमा के शुरूआती काल में होली का चित्रण आज के मुकाबले काफी शालीन और अर्थपूर्ण था। सन 1957 की क्लासिक फिल्म मदर इंडिया का गाना होली आई रे कन्हाई याद कीजिए। यहां होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन में खुशियों के चंद लम्हों का प्रतीक थी। उस दौर में रोमांस सीधे न होकर प्रतीकों में होता था। नायक का नायिका को सिर्फ दूर से रंग फेंकना भी प्यार का संकेत माना जाता था। वह ऐसा दौर था, जहां रंग मयार्दाओं की सीमा में रहकर भी भावनाओं को व्यक्त करते थे। इसका प्रसंग फिल्म कटी पतंग में दिखाई देता है।

रंगों का त्योहार और भारतीय सिनेमा का रिश्ता वैसा ही है, जैसे किसी कोरे कागज पर रंग बिखेर देना। हिंदी फिल्मों में होली सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं के उफान, दबे जज्बात और इजहार-ए-मोहब्बत की स्वीकार्यता है। यह वह दिन है, जब बंदिशें रंगों की फुहार में बह जाती हैं। होली के बहाने नायक-नायिका अपने दिल की बात कह देते हैं। परदे पर होली हमेशा से प्रेम के व्याकरण को समझाने वाला मधुर प्रसंग रही है, जहां गुलाल का एक टीका प्रेम पत्र से भी ज्यादा असरदार साबित होता है। हम भारतीयों के लिए रंगों का त्योहार होली सिर्फ रंग उड़ाने तक सीमित नहीं है। यह वह सामाजिक अवसर है, जहां मयार्दाओं की कठोर लकीरें थोड़ी धुंधली हो जाती हैं और भावनाओं को अभिव्यक्ति के लिए खुला आकाश मिलता है। हिंदी सिनेमा ने इस सांस्कृतिक तत्व को बखूबी समझा और परदे पर इसे मोहब्बत की शुरूआत के प्रसंग के रूप में स्थापित किया। फिल्म इतिहास में आप पाएंगे कि जो बातें बंद कमरों या संकोची मुलाकातों में नहीं हो सकीं, उन्हें फागुन की मस्ती और अबीर की परतों ने मुमकिन कर दिया। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण है। फिल्मों में ब्लैक एंड व्हाइट दौर से ही होली को एक ऐसे मूड की तरह इस्तेमाल किया गया, जहां नायक अपनी नायिका के प्रति अनुराग व्यक्त करने के लिए रंगों की आड़ लेता है। ऐसा कई फिल्मों में हुआ है। सिनेमा के शुरूआती काल में होली का चित्रण आज के मुकाबले काफी शालीन और अर्थपूर्ण था। सन 1957 की क्लासिक फिल्म मदर इंडिया का गाना होली आई रे कन्हाई याद कीजिए। यहां होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन में खुशियों के चंद लम्हों का प्रतीक थी। उस दौर में रोमांस सीधे न होकर प्रतीकों में होता था। नायक का नायिका को सिर्फ दूर से रंग फेंकना भी प्यार का संकेत माना जाता था। वह ऐसा दौर था, जहां रंग मयार्दाओं की सीमा में रहकर भी भावनाओं को व्यक्त करते थे। इसका प्रसंग फिल्म कटी पतंग में दिखाई देता है। इस होली दृश्य को हिंदी फिल्मों के सबसे भावनात्मक और अर्थपूर्ण दृश्यों में गिना जाता है। इस सीन में गीत आज न छोड़ेंगे बस हमजोली के जरिए रंगों की आड़ में दबी भावनाएं सतह पर आ जाती हैं। नायक राजेश खन्ना और नायिका आशा पारेख के बीच लगाव उभरकर सामने आता है। यह दृश्य केवल रोमांस नहीं, बल्कि कथानक का मोड़ भी है। इसी तरह नदिया के पार की होली बेहद सादगी भरी है। जबकि डर में राहुल का जुनून रंग लगाने में दिखाई देता है। जिसमें उसकी सनक और प्यार दोनों उजागर होते हैं। दरअसल, होली ने हर बार कहानी को एक नया मोड़ दिया। जैसे-जैसे सिनेमा ने रंगों की दुनिया में कदम रखा, होली का रूप बोल्ड और ब्यूटीफुल होता चला गया। 70 और 80 का दशक वह मोड़ था, जहां होली इजहार-ए-मोहब्बत का सबसे बड़ा मंच बनी। राज कपूर की फिल्मों में तो होली का एक अलग ही दर्शन था। मदर इंडिया और कोहिनूर जैसी क्लासिक फिल्मों में होली गीतों के माध्यम से प्रेम और सामाजिक सद्भाव का ताना-बाना बुना गया। उस दौर में जब प्रेम की अभिव्यक्ति संयमित होती थी, तब होली के बहाने नायक का नायिका को रंग लगाना साहस भरी और प्रेममयी घटना मानी जाती थी। तब स्पर्श की भाषा को रंगों के जरिए पवित्रता के साथ परदे पर उतारा गया। दिलीप कुमार और मीना कुमारी के किरदारों के बीच की वह तड़प होली के गीतों में अक्सर उल्लासपूर्ण स्वीकार्यता में बदल जाती थी। वक्त के साथ जैसे-जैसे सिनेमा का परदा रंगीन हुआ, उसके साथ ही होली के रंगों के जरिए प्रेम की अभिव्यक्ति और भी मुखर होती गई। 70 और 80 के दशक तक आते फिल्मों में होली एक प्लाट डिवाइस बन गई। फिल्म शोले में होली का दृश्य नायक-नायिका के बीच बढ़ते आकर्षण और साथ ही फिल्म के खलनायक के खास अंदाज का भी संकेत था। होली के दिन दिल खिल जाते हैं गीत केवल नाच-गाना नहीं था, बल्कि वह बसंती और वीरू के बीच के अनकहे रिश्ते पर समाज की मोहर लगाने वाला क्षण था। जहां गांव और परिवार के बीच भी प्रेम को एक अलग अंदाज में स्वीकार कर लिया जाता है। फिल्मों में जब प्रेमी जोड़े के बीच संकोच की बर्फ पिघलानी होती है, कथानक में होली दृश्य रच दिया जाता है। फिर इसमें खास प्रशाद का सेवन इस पूरे प्रसंग को एक कॉमिक रिलीफ और ईमानदारी का पुट देता है। उसका असर होते ही नायक का डर गायब हो जाता है और दिल के राज खोल देता है। यह फिल्मों का पुराना और सफल फामूर्ला है। चाहे वो बागबान की मैच्योर होली हो या टू स्टेट्स का मॉडर्न सेलिब्रेशन, रंगों की फुहार ने हमेशा प्रेम की नई इबारत लिखी है। बद्रीनाथ की दुल्हनिया में बद्री का वैदेही के पीछे रंग लेकर भागना या गोलियों की रासलीला राम-लीला में रंगों के बीच वह पहला स्पर्श, यह सब होली के उस लाइसेंस का हिस्सा है। हिंदी सिनेमा में होली और प्रेम के विश्लेषण में फिल्म सिलसिला का जिक्र जरूरी है। यश चोपड़ा ने इस त्योहार को जिस गरिमा के साथ प्रेम की उलझनों से जोड़ा, वह अद्वितीय था। रंग बरसे भीगे सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि वह उन दबे जज्बातों का सैलाब है, जो समाज के बंधनों को तोड़कर बाहर आने के लिए छटपटा रहे थे। भंग का असर और रंगों की धुंधली दुनिया नायक को वह साहस देती है, कि वह दुनिया के सामने अपनी प्रेमिका के प्रति अपने झुकाव को व्यक्त कर सके। 90 के दशक और उसके बाद के दौर में होली का स्वरूप और भी चंचल हो गया। डर जैसी फिल्मों में होली को एकतरफा जुनून और प्रेम के खतरे को दिखाने के लिए इस्तेमाल किया गया। वहीं, मोहब्बतें में होली को परंपराओं की बेड़ियां तोड़ने के प्रतीक के रूप में पेश किया गया। शाहरुख खान का चरित्र रंगों का आह्वान कर युवाओं को अपने प्रेम को बिना किसी डर स्वीकार करने का निमंत्रण देता है। आज के सिनेमा में जैसे ये जवानी है दीवानी या बद्रीनाथ की दुल्हनिया के होली दृश्य नायक और नायिका की केमिस्ट्री को एक नया आयाम देते हैं। बलम पिचकारी जैसे गीतों में नायिका के संकोच को पूरी तरह खत्म होते दिखाया गया। यह प्रसंग दर्शकों को यह समझाता है कि प्रेम में डूबने के लिए रंगों जैसे उल्लास की जरूरत होती है। होली का यह कैमरा एंगल वास्तव में मानवीय मनोविज्ञान की उस परत को छूता है, जहां व्यक्ति रंग लग जाने के बाद अपनी पहचान और अपने अहंकार को भूलकर केवल एक प्रेमी रह जाता है। फिल्मों में होली का प्रसंग भारतीय समाज की उस मानसिकता का प्रतिबिंब है, जहां त्योहारों के बहाने मयार्दा की सीमा को थोड़ा लचीला कर दिया जाता है। नायक और नायिका होली की आड़ में दिल की बात कह जाते हैं और दुनिया इसे बुरा भी नहीं मानती।

होली खेलने से पहले चेहरे और बालों पर लगाएं ये तेल, त्वचा पर नहीं चढ़ेगा रंग

होली सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि यह हमारी त्वचा और बालों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस दिन कुछ लोग गुलाल और पाउडर रंग लगाते हैं, तो कुछ पक्के और रासायनिक रंगों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में होली खेलने से पहले त्वचा की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है।

नारियल का तेलः त्वचा और बालों का प्राकृतिक कवच

पुराने समय से नारियल का तेल अपनी औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। होली के दिन सुबह उठते ही अपने चेहरे, हाथों, पैरों और बालों पर अच्छी तरह से नारियल का तेल लगाएं।

होली खेलने से पहले चेहरे और बालों पर लगाएं ये तेल, त्वचा पर नहीं चढ़ेगा रंग

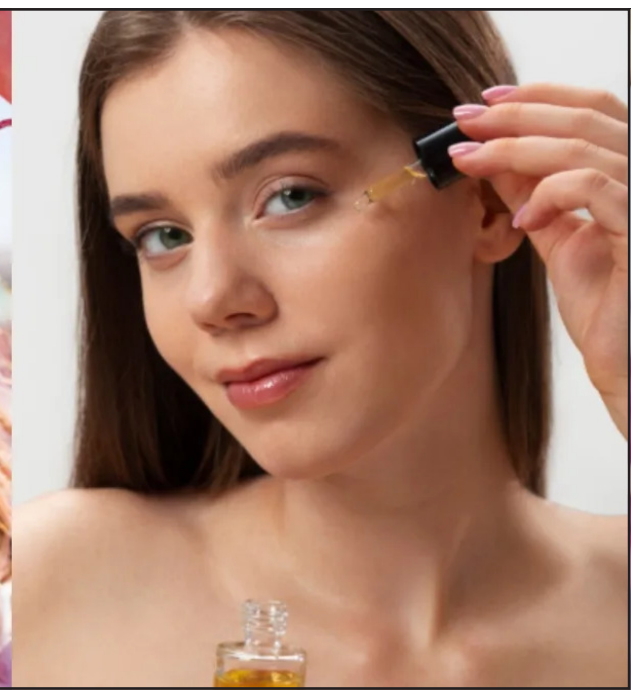

होली सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि यह हमारी त्वचा और बालों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस दिन कुछ लोग गुलाल और पाउडर रंग लगाते हैं, तो कुछ पक्के और रासायनिक रंगों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में होली खेलने से पहले त्वचा की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है।

नारियल का तेलः त्वचा और बालों का प्राकृतिक कवच

पुराने समय से नारियल का तेल अपनी औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। होली के दिन सुबह उठते ही अपने चेहरे, हाथों, पैरों और बालों पर अच्छी तरह से नारियल का तेल लगाएं।

कैसे काम करता है नारियल का तेल?

नारियल का तेल त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बनाता है। यह परत रंगों को सीधे त्वचा में प्रवेश करने से रोकती है, चाहे वह केमिकल वाला हो या पक्का रंग। इसके अलावा, यह परत रंग को आसानी से हटाने में भी मदद करती है।

होली के दिन नारियल तेल के फायदे

त्वचा की सुरक्षाः रंगों से होने वाले डैमेज से त्वचा को बचाता है।

बालों की सुरक्षाः बालों को रूखा और बेजान होने से रोकता है, उन्हें मुलायम और चमकदार बनाता है।

आसान रंग हटानाः रंग त्वचा और बाल में चिपकता नहीं, इसलिए धोने में आसान होता है।

सुरक्षा और हाइड्रेशनः त्वचा और बालों को प्राकृतिक नमी देता है और उन्हें स्वस्थ रखता है।

इस्तेमाल का तरीका

सुबह होली खेलने से पहले नारियल का तेल चेहरे, हाथ, पैरों और बालों में अच्छी तरह लगाएं।

बालों पर तेल लगाने के बाद आप चाहें तो इसे हल्का बांध भी सकते हैं।

होली खेलने के बाद त्वचा और बालों को सामान्य पानी या हल्के शैम्पू से धो लें।

ध्यान देने योग्य बातें

अगर आपके पास नारियल तेल उपलब्ध नहीं है, तो आप शुद्ध जैतून का तेल या बादाम तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। रंगों से खेलने के बाद त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें, ताकि त्वचा हाइड्रेटेड रहे। होली के दिन त्वचा और बालों की देखभाल करना उतना ही जरूरी है जितना त्योहार का मजा लेना। नारियल का तेल आपकी त्वचा और बालों के लिए प्राकृतिक कवच बनता है और आपको सुरक्षित रखता है। इस होली, रंगों के साथ अपनी सुंदरता और स्वास्थ्य को भी प्रोटेक्ट करें।

एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी में क्या अंतर है, कब होता है इनका इस्तेमाल? समझिए आसान तरीके से

एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी दोनों ही हृदय की धमनियों में ब्लॉकेज का पता लगाने और इलाज से जुड़ी प्रक्रियाएं हैं, लेकिन दोनों का उद्देश्य अलग होता है। एंजियोग्राफी एक डायग्नोस्टिक टेस्ट है, जबकि एंजियोप्लास्टी एक उपचार प्रक्रिया है। आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं। हृदय रोग वैश्विक स्तर पर बढ़ती स्वास्थ्य के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक हैं। हृदय से संबंधित बीमारियां और जानलेवा स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कम उम्र में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले आप भी अक्सर सुनते रहे होंगे। जब भी बात हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट की आती है तो आपने भी दो शब्दों की खूब चर्चा सुनी होगी- एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी। आखिर ये हैं क्या, कब इन्हें प्रयोग में लाया जाता है और इससे क्या मदद मिलती है? अगर आपके मन में भी ये सवाल बने हुए हैं तो आइए इसके जवाब जान लेते हैं।

एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी के बारे में जान लीजिए कहीं आप भी एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी को एक ही तो नहीं मानते आ रहे हैं? अमर उजाला से एक बातचीत के दौरान दिल्ली स्थित एक अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ अनिरुद्ध परासर ने सबकुछ बहुत ही आसान भाषा में समझाया। एंजियोग्राफी एक टेस्ट है और एंजियोप्लास्टी एक इलाज है। दिल की बीमारी की स्थिति में ब्लॉकेज के खतरों को समझने के लिए एंजियोग्राफी कराई जाती है। वहीं एंजियोप्लास्टी इलाज की एक प्रक्रिया है जो ब्लॉक हो चुकी दिल की आर्टरी को दोबारा से काम करने में मदद के लिए की जाती है। पहले एंजियोग्राफी को समझते हैं डॉ. परासर कहते हैं, एंजियोग्राफी जांच का एक ऐसा तरीका है जो रक्त का संचार करने वाली वाहिकाओं में ब्लॉकेज का पता लगाने में मदद करती है। एंजियोग्राफी की प्रक्रिया के दौरान जो इमेज मिलती है जिसके आधार पर ब्लॉकेज का पता लगाया जाता है, इसे एंजियोग्राम कहा जाता है। एंजियोग्राफी में एक पतली, लचीली ट्यूब (कैथेटर) को आर्टरी में डाला जाता है। यह डॉक्टरों को कोरोनरी आर्टरी में ब्लॉकेज या सिकुड़न को ज्यादा बेहतर तरीके से देखने में मदद करती है। कब दी जाती है एंजियोग्राफी की सलाह? मायोकार्डियल इन्फार्क्शन या हार्ट अटैक की स्थिति में ये टेस्ट किया जाता है। एनजाइना यानी सीने में दर्द बने रहने की स्थिति में ये टेस्ट कराया जाता है। दिल तक रक्त का संचार कम होने का वजह से एनजाइना होता है। पेरिफेरल आर्टरी डिजीज के लिए भी डॉक्टर इस टेस्ट की सलाह दे सकते हैं। इसकी वजह से आपके पैरों की मांसपेशियों में रक्त संचार कम हो जाती है। ब्रेन की रक्त वाहिकाओं में उभार (ब्रेन एन्यूरिज्म) की समस्या में भी लोगों को एंजियोग्राफी कराने की सलाह दी जाती है। एंजियोग्राफी जांच की मदद से ये समझने में मदद मिलती है कि व्यक्ति को एंजियोप्लास्टी की जरूरत है या नहीं?

सावधान! होली पर जालसाज आपकी जेब न कर दे खाली, भूलकर न करें ये 4 गलतियां

जालसाज लोगों को ठगने के कई नए-नए तरीके ढूंढते रहते हैं, लेकिन त्योहार के मौके पर लोग ठगी का शिकार हो जाते हैं और इसके पीछे कुछ बातों को ध्यान न रखना कारण होता है। इसलिए इस होली आपको फ्रॉड से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है।

जैसे-जैसे हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं, वैसे-वैसे जालसाज भी काफी एक्टिव हुए हैं और लोगों के साथ फ्रॉड के कई मामले आए दिन सामने आते हैं। सरकार से लेकर बैंकों की तरफ से कई तरह के जागरूक अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन बावजूद इसके लोग ठगी का शिकार हो जाते हैं। जैसे, इस होली आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि जालसाज त्योहार का फायदा उठाकर लोगों को ठग लेते हैं। इसके लिए वे कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आपके लिए जरूरी हो जाता है कि इस होली आप जालसाजों से बचकर रहे हैं जिसके लिए यहां आप कुछ सेफ्टी टिप्स जान सकते हैं। सवालः होली पर फ्रॉड से बचने के तरीके क्या हैं?

जवाबः फर्जी ईमेल से सावधान

त्योहारों के मौकों पर जालसाज लोगों को फर्जी ईमेल भेजते हैं ये ईमेल देखने में असली होते हैं जिनमें कोई ऑफर्स, लॉटरी आदि के बारे में होता है इन ईमेल पर कोई लॉटरी लगने का या ऑफर्स का लिंक होता है जिस पर क्लिक करने के लिए कहा जाता है पर पहले इन ईमेल की जांच कर लें और अजनाने ईमेल से आए ईमेल को ओपन करने से बचें सवालः क्या होली के पास के नाम पर हो सकती है ठगी?

जवाबः होली पर लोग कई जगहों पर होली खेलने जाते हैं जिसके लिए टिकट या पास लेते हैं

पर अगर आपको मैसेज, सोशल मीडिया या ईमेल के द्वारा कोई होली पास का मुफ्त में ऑफर करे, तो ऐसे में सावधान रहें

ये फेक हो सकते हैं जो आपको ठग सकते हैं और आपके एक क्लिक से आपका बैंक खाता खाली हो सकता है

सवालः क्या किसी भी कॉल पर विश्वास न करें?

जवाबः होली के मौके पर कई डिस्काउंट या अन्य तरह की चीजों के लिए जालसाज लोगों को कॉल भी करते हैं इन कॉल पर आपको ऐसे-ऐसे ऑफर्स दिए जाते हैं कि लोग इन ऑफर्स पर फिसल जाते हैं और अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी शेयर कर देते हैं ध्यान रहे ऐसा कभी न करें, किसी को ओटीपी, बैंकिंग जानकारी, पिन नंबर आदि शेयर न करें

खराब मावा की मिठाई से इन बीमारियों का बढ़ जाता है जोखिम, ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें

त्योहारों के समय नकली मावे की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। अक्सर बाजारों में ऐसे मावे बिकते हैं जो खतरनाक रसायन से बने होते हैं, जिसके सेवन से शरीर को कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। होली रंगो का त्योहार है, लेकिन साथ ही इस त्योहार पर कई तरह की मिठाइयां भी खाने का चलन है। मगर अक्सर ही ऐसी खबरें देखने को मिलती हैं की बाजार में बिकने वाली मिठाईयां मिलावटी और खराब मावे से बनी हैं। बहुत से लोग अनजानें में ही इन मिठाइयों का सेवन करते हैं, जो इस खुशी के मौके को बीमारी में बदल सकती हैं। त्योहारों के सीजन में मांग बढ़ने के कारण अक्सर मुनाफाखोर सिंथेटिक दूध, डिटर्जेंट और यूरिया जैसे खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल करके नकली मावा तैयार करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दूषित मावे का सेवन करना न सिर्फ पाचन तंत्र बिगड़ता है, बल्कि यह शरीर के महत्वपूर्ण अंगों जैसे लिवर और किडनी को भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। खराब मावे में हानिकारक बैक्टीरिया जैसे ई-कोलाई पनपने लगते हैं, जो फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं। आइए इस लेख में इसी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में विस्तार से जानते हैं। मिलावटी मावा में किन केमिकल का इस्तेमाल होता है? नकली मावे में सफेदी और झाग लाने के लिए डिटर्जेंट पाउडर और कास्टिक सोडा मिलाया जाता है। वजन बढ़ाने और दूध को गाढ़ा दिखाने के लिए इसमें यूरिया और घटिया दर्जे का स्टार्च उपयोग होता है। कई बार चिकनाई के लिए रिफाइंड तेल या जानवरों की चर्बी और खराब किस्म का ब्लॉटिंग पेपर भी पीसकर मिला दिया जाता है। किन बीमारियों का जोखिम बढ़ा देता है ये नकली मावा? इसके सेवन से गंभीर फूड पॉइजनिंग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लंबे समय तक इन रसायनों के शरीर में जाने से कैंसर और अल्सर जैसी जानलेवा बीमारियां पनपने लगती हैं। दूषित मावे में मौजूद बैक्टीरिया के कारण टाइफाइड, पीलिया और आंतों का संक्रमण भी हो सकता है। क्या मिलावटी मावा हमारे लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है? जी हां यूरिया और डिटर्जेंट जैसे केमिकल सीधे किडनी के फिल्टरिंग सिस्टम को डैमेज कर सकते हैं। इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने के प्रयास में लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे वह भी खराब हो सकता है। अधिक रसायनों के कारण खून में टॉक्सिन्स बढ़ जाती है, जो पूरे शरीर के मेटाबॉलिज्म को बिगाड़ देती है। किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? मिठाई खाने के 2-6 घंटे के भीतर तेज मरोड़ के साथ पेट दर्द और लगातार उल्टी होना प्रमुख लक्षण है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) की वजह से चक्कर आना, धुंधला दिखना और ब्लड प्रेशर का गिरना। अगर त्वचा पर अचानक लाल चकत्ते या खुजली शुरू हो, तो यह केमिकल रिएक्शन का संकेत हो सकता है।

चंद्र ग्रहण के बाद जल में यें चीज मिलाकर जरूर करें स्नान, नवग्रह होंगे मजबूत

भारतीय धर्म परंपरा में ग्रहण को केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक और मानसिक प्रभाव वाला समय माना गया है। विशेष रूप से चंद्र ग्रहण के बाद शुद्धिकरण स्नान को बेहद आवश्यक बताया गया है। मान्यता है कि ग्रहण काल के दौरान वातावरण में सूक्ष्म ऊर्जा परिवर्तन होते हैं, जिनका असर मन, शरीर और कुंडली के ग्रहों पर पड़ता है। इस वर्ष 3 मार्च को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। ज्योतिष और धर्म शास्त्रों के अनुसार, ग्रहण समाप्त होते ही कुछ विशेष नियमों का पालन करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और नवग्रहों की स्थिति संतुलित होती है। कई ग्रंथों, जैसे गरुड़ पुराण, में भी ग्रहण के बाद शुद्धि और स्नान का उल्लेख मिलता है।

ग्रहण समाप्त होते ही क्या करें?

ग्रहण खत्म होने के तुरंत बाद सबसे पहला कार्य शुद्धिकरण स्नान करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, ग्रहण काल को सूतक माना जाता है और स्नान के बिना इसका प्रभाव समाप्त नहीं होता। इसलिए जैसे ही ग्रहण समाप्त हो, यथाशीघ्र स्नान करना शुभ माना गया है।

स्नान क्यों है आवश्यक?

भारतीय संस्कृति में स्नान केवल शरीर की सफाई नहीं, बल्कि आत्मिक और मानसिक शुद्धि का माध्यम है। मान्यता है कि ग्रहण के समय नकारात्मक ऊर्जा सक्रिय हो जाती है, जो मन को अशांत कर सकती है। स्नान इन नकारात्मक प्रभावों को शांत करता है और जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है।

जल में मिलाएं यह एक पवित्र तत्व

चंद्र ग्रहण के बाद स्नान करते समय पानी में थोड़ा सा गंगाजल अवश्य मिलाएं। गंगाजल को अत्यंत पवित्र और दिव्य माना गया है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक माना जाता है। यदि गंगाजल उपलब्ध न हो, तो तुलसी के कुछ पत्ते जल में डालकर स्नान करना भी शुभ फलदायी होता है।

नवग्रहों को ऐसे करें प्रसन्न

स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें और शांत मन से अपने इष्ट देव का ध्यान करें। नवग्रहों की शांति के लिए ओमः नवग्रहाय नमःह्व मंत्र का जप करें। चंद्र देव की कृपा के लिए उन्हें कच्चा दूध या जल अर्पित करना भी शुभ माना गया है।

शनि दोष से मुक्ति का उपाय

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में शनि का प्रभाव अधिक होता है, उनके लिए ग्रहण के बाद स्नान कर काले तिल का दान करना विशेष लाभकारी माना गया है। इससे शनि से जुड़ी बाधाएं कम होती हैं और मानसिक तनाव में राहत मिलती है।

लठमार से लेकर घाटों की भस्म तक, मथुरा और काशी में होली कब है?

रंगों की होली देखनी हो या भस्म की होली, दोनों ही रंग उत्तर प्रदेश में देखने को मिलते हैं। एक ओर कान्हा की भक्ति में लोग झूमते हैं तो दूसरी ओर शिव की भक्ति में लीन हो जाते हैं। आइए जानते हैं मथुरा और वाराणसी की होली की खासियत, परंपरा और यात्रा विवरण। एक ओर गलियों में उड़ता गुलाल, कहीं लट्ठ और फूलों की मार... तो वहीं दूसरी ओर गंगा के शांत घाटों पर अघोरीसाधु-

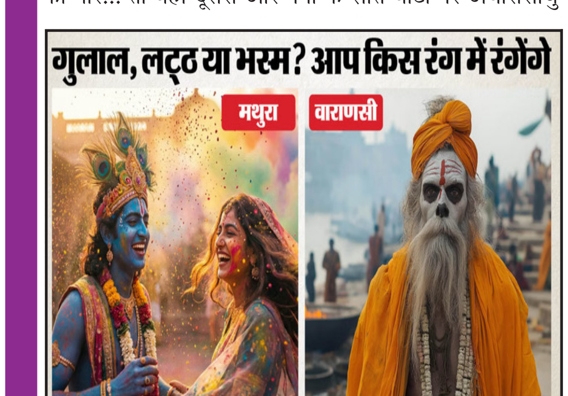

संतों के बीच चिता-भस्म को होली का दृश्य, सोचिए दोनों का ही नजारा कितना अलौकिक होगा। कृष्ण की बाललीलाओं से लेकर शिव की भक्ति में लीन होने तक होली सच में कितने ही रंगों से रंगी होती है।

होली भारत का सबसे रंगीन और उल्लासपूर्ण त्योहार है। वैसे तो पूरे देश में होली मनाई जाती है लेकिन होली की असली धूम देखनी हो तो मथुरा-वृंदावन और काशी जरूर जाएं। इन दोनों शहरों की होली विश्व प्रसिद्ध है। बृज हो या वाराणसी दोनों स्थानों पर होली एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि कई दिनों तक चलने वाला सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव है।

मथुरा की होली राधा-कृष्ण की प्रेम परंपरा से जुड़ी है, जबकि काशी की होली शिव की मस्ती और आध्यात्मिकता से संबंधित है। दोनों शहरों का अनुभव अलग लेकिन अविस्मरणीय है। अगर आप इस साल की होली को खास बनाना चाहते हैं, तो इन दो पवित्र नगरीयों में से किसी एक का चयन जरूर करें।

आइए जानते हैं 2026 में मथुरा और काशी में होली कब है, क्या हैं इनकी खास परंपराएं और कैसे करें होली पर मथुरा-काशी की यात्रा।

2026 में होली कब है?

इस साल होलिका दहन 3 मार्च 2026, मंगलवार को होना है। कुछ स्थानों पर चंद्र ग्रहण के कारण 2 मार्च को भी होलिका दहन किया जाएगा।

वहीं रंगों की होली यानी धुलेंडी 4 मार्च 2026, बुधवार को खेली जाएगी।

मथुरा और काशी में मुख्य उत्सव इन्हीं तिथियों के आसपास मनाया जाएगा, लेकिन मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में होली लगभग एक सप्ताह पहले से शुरू हो जाती है।

91 साल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बना जम्मू-कश्मीर

हुबली : जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ इतिहास रचते हुए पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। जम्मू-कश्मीर की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसने पहली पारी में बढ़त के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। जम्मू-कश्मीर ने इतिहास रचते हुए रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ ये मुकाबला पहली पारी में बढ़त के आधार पर अपने नाम किया। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की थी। पांचवें दिन जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए और उसकी कुल बढ़त 633 रनों की हो गई थी।

91 साल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बना जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक को पारी की बढ़त के आधार पर हराया

हुबली : जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ इतिहास रचते हुए पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। जम्मू-कश्मीर की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसने पहली पारी में बढ़त के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है।

जम्मू-कश्मीर ने इतिहास रचते हुए रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ ये मुकाबला पहली पारी में बढ़त के आधार पर अपने नाम किया। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की थी। पांचवें दिन जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए और उसकी कुल बढ़त 633 रनों की हो गई थी। जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने पारी घोषित करने का फैसला किया। इसके बाद दोनों टीमों के कप्तान दिन का खेल समाप्त करने पर सहमत हुए और मैच ड्रॉ रहा। इस तरह जम्मू-कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। हुबली में इतिहास रचने को तैयार जम्मू-कश्मीर: रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत के करीब, कर्नाटक पर 477 रन की बढ़त इकबाल-साहिल के बीच बड़ी साझेदारी जम्मू-कश्मीर के लिए इस मैच में आकिब नबी डार ने पहली पारी में पांच विकेट झटके, जबकि दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल और साहिल लोटरा ने शानदार साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 197 रनों की अविजित साझेदारी की। इकबाल 311 गेंदों पर 16 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 160 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि साहिल ने 226 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों के सहारे नाबाद 101 रन बनाए। विकेट के लिए तरसे कर्नाटक के गेंदबाज जम्मू-कश्मीर ने पांचवें दिन दूसरी पारी चार विकेट पर 186 रन से आगे बढ़ाई। पांचवें दिन कर्नाटक के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। जम्मू-कश्मीर के लिए इकबाल और साहिल ने मोर्चा संभाला और कर्नाटक के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। पहला सत्र पूरी तरह इकबाल और साहिल के नाम रहा। इकबाल ने पहले शतक पूरा किया और फिर साहिल भी पीछे नहीं रहे। दोनों बल्लेबाजों ने लंच ब्रेक तक कर्नाटक को एक भी सफलता हासिल नहीं करने दी। स्थिति इतनी खराब रही कि कर्नाटक के गेंदबाज पांचवें दिन का खेल समाप्त होने तक इस साझेदारी को नहीं तोड़ सके और मैच अंत में ड्रॉ रहा। कर्नाटक की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले, जबकि विजयकुमार विशाक और श्रेयस गोपाल को एक-एक सफलता मिली। जम्मू-कश्मीर ने नहीं किया था फॉलोऑन जम्मू-कश्मीर के पहली पारी के 584 रनों के जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन पर सिमट गई। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल करने के बावजूद फॉलोऑन नहीं देने का फैसला किया था। अगर आज दिन के खेल की समाप्ति तक मैच का नतीजा नहीं निकल पाता है तो जम्मू-कश्मीर पहली पारी में बढ़त के आधार पर यह मुकाबला अपने नाम कर लेगा। इस तरह टीम पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीत सकती है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री मौजूद जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी के फाइनल मैच को देखने के लिए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी स्टेडियम में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर मैच की तस्वीरें साझा की थी। जम्मू-कश्मीर के लिए आसान नहीं रहा सफर जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था। जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे। उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982-83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी। उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा लेकिन 2013-14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उसने 2015-16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इस सत्र में कोच अजय शर्मा और कप्तान पारस डोगरा के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर ने अपने विश्वास को परिणामों में तब्दील कर दिया और वह खिताब जीतने में सफल रही।

सेमीफाइनल का पेच: 64 रन से जीतो या इतने ओवर में मैच खत्म करो, पाकिस्तान के लिए क्या है समीकरण? आसान नहीं राह

नई दिल्ली : इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल की दौड़ रोचक बना दी है। पाकिस्तान को जहां राहत मिली है, वहीं उसके लिए अभी भी अगले दौर में पहुंचना आसान नहीं है। टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण अब खत्म होने को है, लेकिन अब तक दो टीमें ही सेमीफाइनल में जगह बना सकी हैं। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका और ग्रुप-2 से इंग्लैंड अगले दौर में पहुंच चुके हैं। शेष दो स्थानों के लिए चार टीमों में होड़ है। ग्रुप-1 में स्थिति स्पष्ट है कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को जो टीम जीतेगी वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन ग्रुप-2 में पेच फंसा हुआ है और यहां नेट रन रेट की भूमिका काफी अहम हो गई है। दक्षिण अफ्रीका ने किया अपना काम, अब भारत की बारी: विंडीज पर जीत से सेमीफाइनल पक्का; पाकिस्तान का समीकरण क्या? न्यूजीलैंड की हार से पाकिस्तान को मिली राहत इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में हराकर ग्रुप-2 का समीकरण बदल दिया है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 19.3 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत से पाकिस्तान को राहत मिल गई है क्योंकि न्यूजीलैंड अगर ये मैच जीत जाती तो पाकिस्तान का सफर सुपर आठ में ही थम जाता। न्यूजीलैंड की हार से अब ग्रुप-2 में सेमीफाइनल का समीकरण बदल गया है और अब श्रीलंका तथा पाकिस्तान के मैच पर सभी की नजरें हैं। इंग्लैंड पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, यानी अब इस ग्रुप से सेमीफाइनल के एक स्थान के लिए दो टीमों में जंग है। ग्रुप-2 में कैसी है टीमों की स्थिति? सुपर आठ चरण के ग्रुप-2 की बात करें तो इंग्लैंड ने अपने तीनों मैच जीते हैं और वह छह अंकों के साथ सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों में एक जीत, एक हार और एक रद्द मैच के साथ तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +1.390 का है। पाकिस्तान की टीम दो मैच में एक हार और एक रद्द मैच के साथ एक अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.461 का है। वहीं, सह-मेजबान श्रीलंका ने सुपर आठ में अपने शुरूआती दोनों मैच गंवाए जिससे उसका सफर थम गया। श्रीलंका भले ही बाहर हो गई है, लेकिन अब शनिवार को उसका पाकिस्तान से सामना होना है। श्रीलंका के पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा है, लेकिन पाकिस्तान के लिए सबकुछ अभी भी खत्म नहीं हुआ है। किस तरह सेमीफाइनल में पहुंच सकता है पाकिस्तान इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड की हार से सेमीफाइनल की दौड़ दिलचस्प हो गई है। यहां से नेट रन रेट काफी अहम हो गया है। यानी पाकिस्तान को सिर्फ श्रीलंका को हराना ही नहीं होगा, बल्कि बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। श्रीलंका के खिलाफ अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता है और उसने 160 रन का स्कोर बनाया है तो उसे ये मैच 64 या इससे अधिक रनों से जीतना होगा। अगर पाकिस्तान पहले गेंदबाजी करता है और श्रीलंका को 160 के स्कोर पर रोक लेता है तो उसे 40+ गेंद या 13.1 ओवर में ही ये लक्ष्य हासिल करना होगा। पाकिस्तान की टीम अगर ऐसा नहीं कर सकी तो बेहतर नेट रन रेट के आधार पर न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगा।

बेटों का अदम्य साहस : आंखों में आंसू, दिल में देश; पिता को खोकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों के त्याग-हौसले को सलाम

नई दिल्ली : रिंकू सिंह शनिवार को टीम इंडिया से जुड़ जाएंगे। निजी दुख के सबसे कठिन पलों में उन्होंने देश के लिए अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। यहां हम उन खिलाड़ियों की चर्चा करेंगे जिन्होंने पुत्र धर्म निभाते हुए राष्ट्र धर्म की ऐसी मिसाल पेश की, जिसे हर भारतीय ने गर्व से सलाम किया। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कई ऐसे पल आए हैं जब खिलाड़ियों को अपने निजी जीवन और देश के बीच कठिन चुनाव करना पड़ा। कुछ ने अंतिम संस्कार के लिए घर लौटकर फिर मैदान संभाला, तो कुछ ने दिल पर पत्थर रखकर देश के लिए खेलना जारी रखा। इन घटनाओं में सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि कर्तव्य, त्याग और भावनाओं की गहराई झलकती है। रिंकू सिंह: शोक के बीच जिम्मेदारी हाल ही में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। वह लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। पिता के अंतिम दर्शन के लिए रिंकू अलीगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। ऐसे कठिन समय में उनका वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध माना जा रहा था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया कि रिंकू शनिवार को कोलकाता में टीम से जुड़ेंगे। यह फैसला बताता है कि एक बेटा अपने पिता को अंतिम विदाई देने के बाद भी अपने पेशेवर दायित्व से पीछे नहीं हटता। रिंकू के संघर्षों में उनके पिता की अहम भूमिका रही थी। अब उसी सपने को आगे बढ़ाना उनके लिए पुत्र धर्म के साथ-साथ राष्ट्र धर्म भी है। विराट कोहली: 18 साल की उम्र में असाधारण निर्णय आज दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार विराट कोहली के जीवन में 18 दिसंबर 2006 की रात हमेशा के लिए दर्ज है। रणजी ट्रॉफी में दिल्ली बनाम कर्नाटक मुकाबले के दौरान उनके 54 वर्षीय पिता प्रेम कोहली का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उस वक्त 18 वर्षीय विराट 40 रन बनाकर नाबाद थे और दिल्ली को फॉलोऑन से बचाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। कोच और साथियों ने उन्हें घर जाने की सलाह दी, लेकिन विराट ने फैसला किया कि वह पहले टीम को संकट से उबारेंगे। अगले दिन उन्होंने 90 रनों की जुझारू पारी खेली, टीम को फॉलोऑन से बचाया और फिर सीधे अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए। उस दिन एक युवा खिलाड़ी ने अपने दुख को दिल में दबाकर देश और टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। यही घटना उन्हें मानसिक रूप से परिपक्व बना गई और आगे चलकर वही लड़का भारतीय क्रिकेट की धड़कन बन गया।

वरुण या कुलदीप किसे मिलेगा मौका? किस तरह बढ़ी भारत की चिंता; सैमसन-रिंकू पर भी नजर

कोलकाता : भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला काफी अहम है। इसे देखते हुए टीम प्रबंधन के सामने सही प्लेइंग-11 चुनने की भी चुनौती है। देखना दिलचस्प होगा कि भारत पुराने संयोजन पर बरकरार रहता है या इसमें कोई बदलाव करता है। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को हर हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच जीतना होगा। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद से टीम ने सबक लिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ दमदार वापसी की। भारतीय बल्लेबाजों ने यह दिखाया था कि उनकी बल्लेबाजी कितनी मजबूत है, लेकिन गेंदबाजी टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वहीं, प्लेइंग-11 के संयोजन ने भी भारत की चिंता बढ़ा दी है। अभिषेक की फॉर्म में वापसी से मिली राहत भारत के लिए राहत की बात यह है कि अभिषेक शर्मा फॉर्म में वापस लौट आए हैं। अभिषेक ने टूनार्मेंट के शुरूआती तीन मैच में खाता भी नहीं खोला था, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की थी। भारतीय टीम प्रबंधन को उम्मीद होगी कि अभिषेक का बल्ला वेस्टइंडीज के खिलाफ भी चले। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि इस मैच के लिए भारत की तरफ से ओपनिंग करने कौन आता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ संजू सैमसन और अभिषेक ने ओपनिंग की थी। संजू ने केवल 24 रन बनाए, लेकिन उन्होंने शुरू में ही रन गति तेज कर दी जिसका बाकी बल्लेबाजों पर सकारात्मक असर पड़ा। उनके आक्रामक रवैये ने अभिषेक शर्मा के हौसले को बुलंद किया सैमसन को रिंकू सिंह की जगह मौका मिला था। अब अगर सैमसन फिर खेले तो यह तय है कि एक बार फिर वह ओपनिंग करने उतरेंगे और ईशान किशन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे। बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना कम इस बात की संभावना कम है कि भारत बल्लेबाजी क्रम में किसी तरह का बदलाव करेगा। रिंकू सिंह को फिर बाहर बैठना पड़ सकता है क्योंकि सैमसन को जिस कारण टीम में लाया गया था, उन्होंने वो भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में रन बरसते नजर आ सकते हैं, ऐसे में भारत बल्लेबाजी मजबूत रखना चाहेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को भी मोर्चा संभालना होगा। शिवम दुबे की फॉर्म ने बढ़ाई चिंता एक और चिंता ऑलराउंडर शिवम दुबे का गेंदबाजी में अनियमित प्रदर्शन है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दुबे ने सिर्फ दो ओवरों में 46 रन लुटाए, जिसमें 10 गेंदों के एक ओवर में चार वाइड और दो नोबॉल शामिल थीं। मुख्य कोच गौतम गंभीर का ऑलराउंडर के प्रति आकर्षण जगजाहिर है, लेकिन ईडन पिच पर दुबे की मध्यम गति की गेंदबाजी वेस्टइंडीज के सामने उलटी पड़ सकती है। वरुण और कुलदीप के बीच चयन मुश्किल भारत के बल्लेबाज सही समय पर लय में लौट आए हैं और अब गेंदबाजों की बारी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अच्छी गेंदबाजी की। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती अपने पुराने फॉर्म में नहीं नजर आ रहे हैं। यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी लेंथ को सही ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहा है और ऐसा लगता है कि वह बहुत ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं। चक्रवर्ती के नहीं चल पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को नुकसान हुआ। चक्रवर्ती ने उस मैच में चार ओवर में 47 रन लुटा दिए थे। वरुण ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ज्यादातर शॉर्ट पिच गेंदें की और जब उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ फुल लेंथ गेंद करने की कोशिश की तब भी उन्हें खास सफलता नहीं मिली। इस मैच में अनुभवी सिकंदर रजा ने उन्हें निशाने पर रखा। वरुण ने इस मैच में चार ओवरों में 35 रन दिए। यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन चक्रवर्ती को प्लेइंग-11 में बनाए रखता है या बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में शामिल करता है। कुलदीप ने वर्तमान टूनार्मेंट में अभी तक केवल पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेला है। वरुण और कुलदीप दोनों ने अपने आईपीएल करियर के अधिकतर मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से इसी मैदान पर खेले हैं और वे यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। चक्रवर्ती ने हालांकि यहां अधिक मैच खेले हैं। इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11: भारत: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन/रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह। वेस्टइंडीज: ब्रेंडन किंग, शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, रोवमैन पोवैल, शेरफाने रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, रोमारिया शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, गुडाकेश मोती, शमार जोसेफ।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोलकाता में कालीघाट मंदिर के किए दर्शन, विंडीज के खिलाफ मैच से पहले की पूजा

कोलकाता : भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को कोलकाता में टी20 विश्व कप का मैच होना है। इससे पहले टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर कालीघाट मंदिर में दर्शन करने पहुंचे हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोलकाता स्थित कालीघाट मंदिर के दर्शन किए। गंभीर शनिवार को कालीघाट मंदिर पहुंचे और उन्होंने मां काली के दर्शन किए। भारत का टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में सामना अब वेस्टइंडीज है। दोनों टीमों के बीच ये मैच कोलकाता के ईडन गार्डेंस में रविवार को खेला जाना है। भारत के लिए यह मैच वर्चुअल नॉकआउट की तरह है। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्यों अहम है मैच भारतीय टीम शुक्रवार को

कोलकाता पहुंच गई थी। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला काफी अहम है क्योंकि अगर टीम ये मैच जीत लेती है तो वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी, जबकि विंडीज का सफर सुपर आठ चरण में ही थम जाएगा। गंभीर भी इस मैच का महत्व बखूबी समझते हैं। गंभीर अक्सर मंदिर जाते रहे हैं और इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उन्होंने मां काली के दर्शन किए हैं। कोलकाता में बेहतर है भारत का रिकॉर्ड भारत के लिए राहत की बात यह है कि कोलकाता में टी20 में उसका रिकॉर्ड बेहद शानदार है। वहीं, वेस्टइंडीज का ईडेन गार्डेंस पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। वेस्टइंडीज ने कोलकाता में कुल सात टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें से तीन में उसे जीत मिली है, जबकि चार मैच टीम ने गंवाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि वेस्टइंडीज को इस मैदान पर सभी हार भारत के खिलाफ ही मिली है। टी20 विश्व कप की बात करें तो भारत ने ईडेन गार्डेंस पर सिर्फ एक मैच खेला है। 2016 टी20 विश्व कप में भारत का सामना इसी मैदान पर पाकिस्तान से हुआ था जहां भारतीय टीम छह विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही थी। कोलकाता में भारत ने खेले कुल नौ टी20 मैच में से सात जीते हैं, जबकि एक मैच गंवाया है और एक मुकाबला रद्द रहा है।

मुश्किल में घिरे माही: झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने धोनी को क्यों थमाया नोटिस? आवासीय प्लॉट से जुड़ा है मामला

रांची : झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को रांची स्थित आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया है। बोर्ड का आरोप है कि आवंटित भूखंड का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, जो आवासीय नियमों का उल्लंघन है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर भूखंड का आवंटन रद्द किया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग को लेकर नोटिस जारी किया है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर

भूखंड आवंटन रद्द किया जा सकता है। झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को रांची स्थित उनके एक आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस भेजा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। नोटिस में कहा गया है कि विश्व कप विजेता कप्तान को आवंटित यह भूखंड केवल आवासीय उपयोग के लिए दिया गया था। लेकिन अधिकारियों का दावा है कि इस संपत्ति का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, जो आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है। झारखंड हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने फोन पर आज तक को बताया कि बोर्ड ने यह जमीन कई लोगों को आवासीय उद्देश्य से आवंटित की थी। हालांकि, जब यह रिपोर्ट मिली कि जमीन का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, तो धोनी सहित कई अधिकारियों और दर्जनों अन्य लोगों को भी नोटिस जारी कर यह पूछा गया कि आवासीय भूखंड का उपयोग वाणिज्यिक रूप से क्यों किया जा रहा है। पासवान ने बताया कि नियमों और प्रावधानों के कथित उल्लंघन की जानकारी बोर्ड द्वारा की गई जांच के दौरान सामने आई। जांच के निष्कर्षों के आधार पर धोनी को अंतिम नोटिस जारी कर संपत्ति के कथित दुरुपयोग के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यदि नोटिस का पालन नहीं किया गया या संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, तो बोर्ड भूखंड का आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

करो या मरो मुकाबले में आज श्रीलंका का सामना करेगा पाकिस्तान, बारिश में धुला मैच तो किसे होगा फायदा?

पल्लेकल : पाकिस्तान को अगर सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पाकिस्तान के लिए भले ही राह आसान नहीं है, लेकिन उसकी उम्मीदें बरकरार है। आइए जानते हैं पल्लेकल में मौसम कैसा रहेगा और अगर बारिश ने खलल डाला तो किसे नुकसान होगा। न्यूजीलैंड

पर इंग्लैंड की जीत से पाकिस्तान की उम्मीदें भले ही जीवंत हो गई हैं, लेकिन अगर उसे सेमीफाइनल में पहुंचना है तो हर हाल में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण का मुकाबला शनिवार को पल्लेकल में खेला जाएगा। सुपर आठ में पाकिस्तान का एक मैच पहले ही बारिश में धुल चुका है और अगर ये मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ा तो पाकिस्तान को नुकसान होगा। ग्रुप-2 में कैसी है टीमों की स्थिति? सुपर आठ चरण के ग्रुप-2 की बात करें तो इंग्लैंड ने अपने तीनों मैच जीते हैं और वह छह अंकों के साथ सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों में एक जीत, एक हार और एक रद्द मैच के साथ तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +1.390 का है। पाकिस्तान की टीम दो मैच में एक हार और एक रद्द मैच के साथ एक अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.461 का है। वहीं, सह-मेजबान श्रीलंका ने सुपर आठ में अपने शुरूआती दोनों मैच गंवाए जिससे उसका सफर थम गया। अगर-मगर के डगर में फंसा पाकिस्तान इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड की हार से सेमीफाइनल की दौड़ दिलचस्प हो गई है और एक बार फिर पाकिस्तान अगर-मगर के डगर में फंस गया है। यहां से नेट रन रेट काफी अहम हो गया है। यानी पाकिस्तान को सिर्फ श्रीलंका को हराना ही नहीं होगा, बल्कि बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। श्रीलंका के खिलाफ अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता है और उसने 160 रन का स्कोर बनाया है ।

'डकैत' की रिलीज से पहले तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष

'डकैत' की रिलीज से पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे हैं। इस मौके पर आदिवि ने फिल्म को लेकर कई जानकारी दी है। मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले दोनों तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर में पहुंचे और आशीर्वाद लिया है। इसलिए पहुंचे मंदिर इस मौके पर शेष ने बताया 'हर फिल्म को लेकर एक भरोसा होता है। हम किसी चीज पर वर्षों की मेहनत लगाते हैं और फिर उसे दर्शकों के हाथों में सौंप देते हैं। तिरुपति से यह सफर शुरू करना सही लगा। प्रमोशन की भागदौड़ में कदम रखने से पहले हमारे लिए आशीर्वाद लेना जरूरी था।' गाने के बारे में दी जानकारी शेष ने फिल्म का पहला गाना, 'रूबरू' लॉन्च किया है। यह रोमांटिक ट्रैक शेष और को-स्टार मृणाल ठाकुर पर फिल्माया गया है। इस गाने के बारे में उन्होंने कहा 'रूबरू खास है क्योंकि यह फिल्म की भावुकता, किरदारों के बीच का संबंध और शांत गहराई को दिखाता है।

'डकैत' की रिलीज से पहले तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष, गाने को लेकर कही ये बात

'डकैत' की रिलीज से पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे हैं। इस मौके पर आदिवि ने फिल्म को लेकर कई जानकारी दी है। मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले दोनों तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर में पहुंचे और आशीर्वाद लिया है। इसलिए पहुंचे मंदिर इस मौके पर शेष ने बताया 'हर फिल्म को लेकर एक भरोसा होता है। हम किसी चीज पर वर्षों की मेहनत लगाते हैं और फिर उसे दर्शकों के हाथों में सौंप देते हैं। तिरुपति से यह सफर शुरू करना सही लगा। प्रमोशन की भागदौड़ में कदम रखने से पहले हमारे लिए आशीर्वाद लेना जरूरी था।' गाने के बारे में दी जानकारी शेष ने फिल्म का पहला गाना, 'रूबरू' लॉन्च किया है। यह रोमांटिक ट्रैक शेष और को-स्टार मृणाल ठाकुर पर फिल्माया गया है। इस गाने के बारे में उन्होंने कहा 'रूबरू खास है क्योंकि यह फिल्म की भावुकता, किरदारों के बीच का संबंध और शांत गहराई को दिखाता है।' फिल्म की स्टारकास्ट शैनील देव के निर्देशन में बनी 'डकैत' में अनुराग कश्यप भी एक अहम विलेन के रोल में हैं। इसके अलावा इसमें प्रकाश राज, सुनील, अतुल कुलकर्णी, जैन मैरी खान और कामाक्षी भास्करला जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट की गई है। इस फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले अदीवी सेष और शनील देव ने मिलकर तैयार की है।

भूत बंगला से अक्षय कुमार का वीडियो वायरल, बिना सिर वाले भूत के साथ मस्ती करते आए नजर

बॉलीवुड की सुपरहिट एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन पूरे 14 साल बाद फिल्म भूत बंगला के जरिए बड़े पर्दे पर साथ लौट रही है। हिंदी सिनेमा की कई आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों के बाद अब यह जोड़ी हॉरर-कॉमेडी के अंदाज में दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म उस पुराने दौर की सिचुएशनल कॉमेडी और बेहतरीन टाइमिंग को वापस लाने का वादा करती है, जिसने दर्शकों को सालों तक हंसाया। फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट पहले से ही हाई थी, लेकिन हाल ही में अक्षय कुमार द्वारा शेयर किया गया एक वीडियो इंटरनेट पर छा गया। वीडियो में अक्षय एक बिना सिर वाले भूत के साथ चलते नजर आते हैं और बेहद कैजुअल अंदाज में सवाल करते हैं- क्या भूत वास्तव में होते हैं? इसके बाद भूत के साथ उनकी मजेदार बातचीत होती है। भूत कहता है कि उसे खुद नहीं पता, क्योंकि उसके पिता उसकी मां को भूत बताते थे और मां उसके पिता को! आखिर में वह इसे अफवाह बताकर बात खत्म कर देता है। डर और कॉमेडी का यह मिश्रण अक्षय की सिग्नेचर स्टाइल को पूरी तरह दिखाता है। फिल्म का पहला गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। इस ट्रैक ने 55 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं, जो इस बात का सबूत है कि फैंस इस जोड़ी की वापसी को लेकर कितने उत्साहित हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव नजर आएंगे। निर्देशन प्रियदर्शन का है, जबकि निर्माण अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने किया है। भूत बंगला 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हॉरर और कॉमेडी का यह तड़का दर्शकों को एक बार फिर थिएटर तक खींचने के लिए तैयार है।

शादी के 27 साल बाद इस मशहूर एक्टर की पत्नी ने मांगा तलाक, पूरा सच जानकर उड़ जाएंगे होश

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार थलपति विजय एक बार फिर सुर्खियों में हैं। खबर है कि उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने उनसे तलाक लेने का फैसला किया है और उन्होंने इसकी याचिका कोर्ट में दायर कर दी है। जानकारी के अनुसार, संगीता ने विशेष विवाह अधिनियम, 1954 की धारा 27(1)(ं) के तहत तलाक की अर्जी

दाखिल की है। इस धारा के तहत पति या पत्नी किसी भी जिला न्यायालय में तलाक के लिए याचिका दे सकते हैं। इसका आधार एडल्टरी (विवाहिताध्पति के अलावा किसी अन्य के साथ स्वेच्छा से यौन संबंध) होता है। यह प्रावधान दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लागू होता है। याचिका अधिनियम के अन्य नियमों और प्रावधानों के अनुसार दाखिल की जाती है। विजय और संगीता का 27 साल पुराना रिश्ता अब टूट रहा है। वर्ष 2014 में थलपति विजय ने तमिलागा वेट्री कजम (टीवीके) नाम की राजनीतिक पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने इसी वर्ष एक्टिंग से रिटायरमेंट लेने का ऐलान किया था और राजनीति में कदम रखने की योजना बनाई थी। विजय ने कहा था कि वह अब फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कहकर जनता की सेवा एक राजनेता के रूप में करना चाहते हैं। यह ऐलान उन्होंने अपनी फिल्म जन नायगन के ऑडियो लॉन्च इवेंट में किया था। जन नायगन की रिलीज को लेकर फैंस काफी उत्साहित थे, लेकिन फिल्म अभी तक दर्शकों तक नहीं पहुंच पाई है। बताया जा रहा है कि यह पिक्चर कानूनी पचड़े में फंसी हुई है।

जोया अफरोज ने दिया बड़ा बयान, एक्टर्स के काम को लेकर कहा- सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता

हाल ही में द टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस जोया अफरोज ने अपने करियर, संघर्ष और खुद को दोबारा गढ़ने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट हम साथ साथ हैं और मन जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज कोरा कागज और सोन परी में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। बचपन से एक्टिंग लाइन में हैं

जोया कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछेछोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था। जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए। काम ही एक कलाकार को टिकाए रखता है जोया के मुताबिक, आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते।

माइथ्री मूवी मेकर्स ने राणाबाली का वीडियो सॉन्ग ओ मेरे साजन रिलीज

माइथ्री मूवी मेकर्स ने राणाबालीश से एक खास श्ओ मेरे साजनश वीडियो रिलीज किया है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना नजर आ रहे हैं, और उन्हें शादीशुदा जिंदगी की ढेरों शुभकामनाएं दी गई हैं। यह फिल्म सात साल बाद उनकी वापसी का गवाह बनेगी और 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। माइथ्री मूवी मेकर्स ने हाल ही में राणाबाली की धुआंधार पहली झलक और रिलीज डेट शेयर की है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फैंस के बीच एक्साइटमेंट पहले से ही सातवें आसमान पर है, और अब मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज देते हुए फिल्म का स्पेशल ओ मेरे साजन वीडियो सॉन्ग रिलीज कर दिया है। यह गाना रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की असली जिंदगी की शादी का जश्न मनाने के लिए जारी किया गया है। इस जोड़ी ने हाल ही में शादी की है, और यह गाना उनके इस नए सफर के लिए एक बेहद खूबसूरत ट्रिब्यूट है। गाना इस बड़े ऐतिहासिक ड्रामा में विजय को राणाबाली और रश्मिका को जायम्मा के रोल में बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जिसमें उनकी केमिस्ट्री कमाल की लग रही है। उनके शाही लुक, प्यारे पलों और शादी के सीन ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। इस गाने को अजय-अतुल ने कंपोज किया है, जिसे श्वेता मोहन और जावेद अली ने अपनी आवाज दी है और इसके बोल क्षितिज पटवर्धन ने लिखे हैं। वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, हमारे राणाबाली और जायम्मा हमेशा के लिए एक साथ इस खास सरप्राइज के साथ मना रहे हैं उनके प्यार का जश्नह्वराहुल संकृत्यान के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर ली है। हाल ही में सामने आई इसकी एक झलक को 15 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जिसमें विजय देवरकोंडा ब्रिटिश राज के दौर वाले भारत की बफीर्ली पृष्ठभूमि में एक रफ-एंड-टफ और पूरी तरह से बदले हुए अवतार में नजर आ रहे हैं। 19वीं सदी पर आधारित रणबाली 1854 और 1878 के बीच हुई असली घटनाओं से प्रेरित है और इसे एक भव्य पैन-इंडिया फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है। शानदार विजुअल्स, इमोशनल कहानी और दमदार बैकग्राउंड स्कोर के साथ, यह फिल्म विद्रोह, न्याय और बदले की एक महागाथा पेश करने का वादा करती है। रश्मिका मंदाना, जिन्हें प्यार से जयम्मा कहा जा रहा है, इसमें फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी और इस ऐतिहासिक ड्रामा में भावनाओं की गहराई जोड़ेंगी। राहुल संकृत्यान के डायरेक्शन में बनी और माइथ्री मूवी मेकर्स के वाई. रवि शंकर और नवीन येरनेनी द्वारा टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई रणबाली में रश्मिका मंदाना फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। यह विजय देवरकोंडा के साथ उनकी वापसी है, जो पर्दे पर एक जबरदस्त जोड़ी होने का वादा करती है। फिल्म में इंटरनेशनल एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू सहित कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं, जो इसे ग्लोबल लेवल पर और भी खास बनाते हैं। रणबाली 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रूबरू ने बढ़ाई डकैत के लिए उत्सुकता, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की मासूम प्रेम कहानी ने छुआ दिल

प्यार ताकतवर है। प्यार निडर है। प्यार ही रूबरू है। हाल ही में जारी किए गए इस गाने के प्रोमो ने पहले ही दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं और इस कालजयी प्रेम कहानी के लिए उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। जबरदस्त भावनात्मक खिंचाव और कच्ची तीव्रता के साथ, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर एक ऐसी प्रेम कहानी को जीवंत करते हैं, जो संगीत थम जाने के बाद भी लंबे समय तक दिलों में बनी रहती है। डकैत बनने से पहले, वह एक आशिक था और यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। फहीम अब्दुल्ला और चिन्मयी श्रीपादा की आवाज में, रितेश राजवाड़ा के लिखे गीत और भीम्स सेसिरोलियो द्वारा रचित आत्मा को छू लेने वाले संगीत के साथ, रूबरू को एक प्रेम गान बनने के लिए तैयार किया गया है। मृणाल और शेष की मासूमियत भरी आकर्षक मौजूदगी और पर्दे पर उनके बीच का सच्चा भावनात्मक रिश्ता दर्शकों को पहले प्यार की मासूमियत और जादू की याद दिलाएगा।रूबरू को गाने के बारे में बात करते हुए फहीम अब्दुल्ला ने कहा, जब मैं रूबरू रिकॉर्ड कर रहा था, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी के प्यार की सबसे नाजुक याद में कदम रख रहा हूँ उसी की शुरूआत में। इस धुन में एक कोमलता है, लेकिन साथ ही एक गहराई भी है जो लंबे समय तक महसूस होती रहती है। मुझे लगता है कि श्रोता इस भावना को सच में महसूस करेंगे।

गायिका चिन्मयी श्रीपादा ने कहा, रूबरू में एक शांत गहराई है, जिससे मैं तुरंत जुड़ गई। इसे दो भाषाओं में रिकॉर्ड करना सिर्फ शब्दों का सम्मान करना नहीं था, बल्कि हर संस्करण की भावनात्मक लय को समझना भी था। यही बारीकी इस अनुभव को मेरे लिए बेहद खास बनाती है। गाने के बारे में बात करते हुए अदिवि शेष ने साझा किया, मेरे लिए संगीत भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे शुद्ध माध्यम है। रूबरू एक ऐसे प्यार को दशार्ता है जो सच्चा और संवेदनशील है। फहीम अब्दुल्ला और चिन्मयी श्रीपादा ने इसके हिंदी संस्करण को अपनी आवाज देकर इसमें जान डाल दी है। मैं दर्शकों के इस भावना को महसूस करने का इंतजार कर रहा हूँ। मृणाल ठाकुर ने कहा, मैं हमेशा मानती हूँ कि पहला प्यार एक खास मासूमियत लिए होता है, और रूबरू उसे बेहद खूबसूरती से दशार्ता है। यह नाटकीय बनने की कोशिश नहीं करता, बल्कि भावनाओं को खुलकर सांस लेने देता है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा छू गई। अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा, फिल्म में अनुराग कश्यप भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो दमदार अभिनय के साथ एक अलग और शैली की सीमाओं को तोड़ने वाली कहानी का वादा करते हैं। शनील देवो के निर्देशन में बनी यह पहली फिल्म है। डकैत का निर्माण सुप्रिया यार्लगड्डा ने किया है, सह-निमार्ता सुनील नारंग हैं, और इसे अन्नपूर्णा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट की गई है, जिसकी कहानी और पटकथा अदिवि शेष और शनील देवो ने मिलकर लिखी है। अपने भव्य पैमाने, प्रभावशाली कहानी और ऊजार्वान संगीत के साथ, डकैत 10 अप्रैल 2026 को पूरे भारत में भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'हथियार डालें या मौत का सामना करें' : ईरान पर अमेरिका–इस्राइल का साझा हमला;

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले की पुष्टि की है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल विकास को लेकर ट्रंप की इस कड़ी चेतावनी और तेहरान में आपातकाल की स्थिति पर पूरी रिपोर्ट पढ़ें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा रुख अपनाते हुए उसे एक सीधी और सख्त चेतावनी दी है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए एक बड़े संयुक्त सैन्य हमले के बाद ट्रंप ने ईरान से साफ शब्दों में कहा है कि वह 'अपने हथियार डाल दे या फिर निश्चित मौत का सामना करे'। यह बड़ी सैन्य कार्रवाई मुख्य रूप से ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने और मिसाइल विकसित करने से रोकने के लिए की गई है। आइए जानते हैं डोनाल्ड ट्रंप के बयान की बड़ी बातें। 1. क्या है ईरान पर हमले का कारण, ट्रंप क्या बोले? ट्रंप ने इस पूरे घटनाक्रम और अमेरिकी रणनीति की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए दी। एक वीडियो संदेश साझा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर हुए अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त हमले की आधिकारिक पुष्टि की।

'हथियार डालें या मौत का सामना करें': ईरान पर अमेरिका–इस्राइल का साझा हमला; ट्रंप की दो टूक, जानिए बड़ी बातें

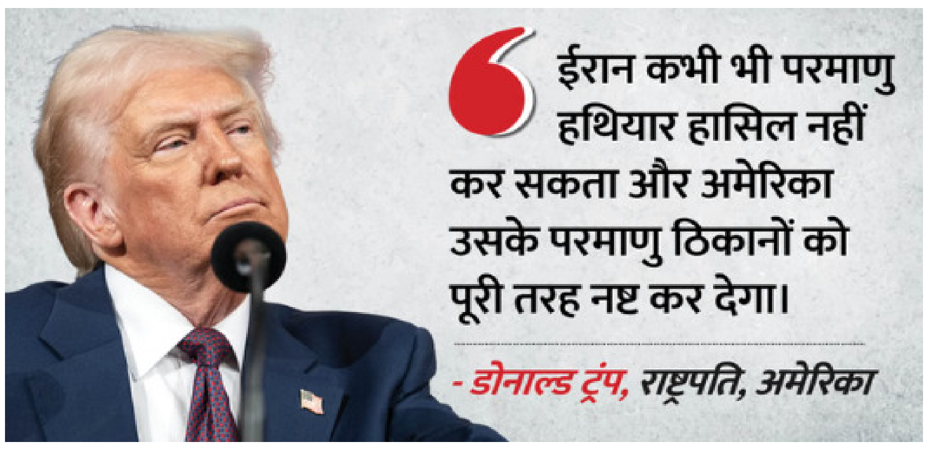

नईदिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले की पुष्टि की है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल विकास को लेकर ट्रंप की इस कड़ी चेतावनी और तेहरान में आपातकाल की स्थिति पर पूरी रिपोर्ट पढ़ें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा रुख अपनाते हुए उसे एक सीधी और सख्त चेतावनी दी है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए एक बड़े संयुक्त सैन्य हमले के बाद ट्रंप ने ईरान से साफ शब्दों में कहा है कि वह 'अपने हथियार डाल दे या फिर निश्चित मौत का सामना करे'। यह बड़ी सैन्य कार्रवाई मुख्य रूप से ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने और मिसाइल विकसित करने से रोकने के लिए की गई है। आइए जानते हैं डोनाल्ड ट्रंप के बयान की बड़ी बातें। 1. क्या है ईरान पर हमले का कारण, ट्रंप क्या बोले? ट्रंप ने इस पूरे घटनाक्रम और अमेरिकी रणनीति की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए दी। एक वीडियो संदेश साझा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर हुए अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त हमले की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को किसी भी कीमत पर पूरा नहीं होने दिया जाएगा। ट्रंप ने अपने संदेश में कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, ₹ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता और अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर देगा₹। 2. 47 वर्षों से ईरान अमेरिका और दुनिया के निर्दोष लोगों के लिए खतरा अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के लोगों को ईरान के खतरनाक लोगों से बचाना है। 47 वर्षों से ईरानी शासन दुनिया और अमेरिका के निर्दोष लोगों को लिए खतरा बना हुआ है। अमेरिका के लोगों को ईरान के खतरनाक लोगों से बचाना है। 47 वर्षों से ईरानी शासन दुनिया और अमेरिका के निर्दोष लोगों को लिए खतरा बना हुआ है। ईरान दुनिया का सबसे बड़ा राज्य समर्थित आतंकवाद का पोषक देश है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने स्वीकार किया है कि ईरान के हमलों के बाद अमेरिकी हताहत हो सकते हैं, उन्होंने कहा कि 'युद्ध में ऐसा अक्सर होता है। 3. तानाशाही को खतरा बनने से रोकने के लिए अमेरिका का अभियानः ट्रंप राष्ट्रपति का दावा किया, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने और लंबी दूरी की मिसाइलों का विकास जारी रखने का प्रयास किया है जो अब यूरोप में हमारे बहुत अच्छे दोस्तों और सहयोगियों, विदेशों में तैनात हमारे सैनिकों के लिए खतरा बन सकती हैं और जल्द ही अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती हैं₹ ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान में तानाशाही को अमेरिका के लिए खतरा बनने से रोकने के लिए एक विशाल अभियान चला रहा है। 4. ईरान के लोगों से डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरानी जनता से सरकार की बागडोर अपने हाथ में लेने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि इस्राइल की ओर से हमले शुरू करने के बाद अमेरिका ने ईरान में 'बड़े पैमाने पर लड़ाकू अभियान' शुरू कर दिए हैं। ट्रंप ने ईरान पर हमलों को 'एक नेक मिशन' बताया और कहा कि ये हमले आवश्यक थे क्योंकि ईरान परमाणु हथियार और मिसाइल प्रणालियां विकसित करने की कोशिश कर रहा था जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं। ईरानी लोगों को 'अपनी सरकार पर कब्जा करने' के लिए प्रोत्साहित किया। ईरान के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई को पेंटागन की ओर से ऑपरेशन इपिल थ्योरी का नाम दिया गया है। 5. अमेरिका-इस्राइल ने जुगलबंदी में क्यों बनाया ईरान को निशाना? इस बड़ी सैन्य कार्रवाई के पीछे कुछ ठोस रणनीतिक और रक्षा संबंधी कारण सामने आए हैं, जिनका उल्लेख अमेरिकी प्रशासन ने किया हैः परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने की धमकीः अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से स्थापित करने और उसे सक्रिय करने की कोशिश में था। इसी वजह से अमेरिका और इस्राइल को यह संयुक्त हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मिसाइल विकासः परमाणु हथियारों की कोशिशों के साथ-साथ ईरान द्वारा नई मिसाइलें विकसित करने की गतिविधियां भी इस सख्त सैन्य कदम का एक प्रमुख कारण बनीं। 6. अमेरिकी हमले बीच ईरान में क्या चल रहा है? अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर हमले के बीच, मौजूदा रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी तेहरान में कई धमाकों की सूचना है। वहां आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई है और अमेरिका की तरफ से लगातार चेतावनियां जारी की जा रही है। 7. क्या पश्चिम एशिया में जारी ताजा तनाव के मायने क्या हैं? बिल्कुल, इस्राइल और हमास के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के साथ अब अमेरिका और इस्राइल का ईरान के खिलाफ शुरू किया गया यह संयुक्त सैन्य अभियान इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी देशों की नीति पूरी तरह से आक्रामक हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि ईरान को 'निश्चित मौत' का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का संकेत है कि अमेरिका भविष्य में भी ईरान के परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध है। यह घटनाक्रम पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष को एक नई दिशा की ओर ले जा रहा है। हालांकि, इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के नए सिरे से प्रभावित होने का भी खतरा पैदा हो गया है। 8. ईरान पर कार्रवाई को अमेरिका-इस्राइल ने क्या नाम दिया गया? पेंटागन ने ईरान पर अमेरिकी कार्रवाई को ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' यानी 'अत्यधिक गुस्सा' नाम दिया है, जो इस संयुक्त सैन्य अभियान की आक्रामकता को दर्शाता है। इस्राइल ने ईरान के खिलाफ अपने हालिया सैन्य अभियान को 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' का नाम दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की घोषित यह नया ऑपरेशन पिछले साल जून में किए गए 'राइजिंग लायन' हमले के बाद का एक बड़ा कदम है। इन ऑपरेशंस का उद्देश्य सिर्फ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि इसका एक बड़ा भू-राजनीतिक लक्ष्य भी सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ईरान पर हो रहे इन हमलों का मुख्य मकसद वहां की मौजूदा सरकार को गिराना है।

इटली के मिलान में पटरी से उतरी ट्राम, दुकान में घुसी; हादसे में दो लोगों की मौत, 40 घायल

मिलान : इटली के मिलान शहर के मध्य इलाके में एक ट्राम हादसे का शिकार हो गई। ट्राम के पटरी से उतरने के बाद वह पास की ही एक इमारत में बनी दुकान में घुस गई। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि चालक ने ट्रैक स्विच को सक्रिय नहीं किया था, जिसके चलते यह हादसा हो गया। इटली के मिलान शहर में शुक्रवार को एक ट्राम के पटरी से उतरने से बड़ा हादसा हो गया। बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेप्पे सला ने घटनास्थल पर पहुंचकर बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हादसे के बाद मृतकों के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। चालक ने ट्रैक स्विच को नहीं किया था सक्रिय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक ने ट्रैक स्विच को सक्रिय नहीं किया था। यह भी बताया गया है कि दुर्घटना से पहले चालक लाइन के अंतिम स्टॉप से भी आगे निकल गया था। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक आदमी ट्राम के नीचे फंसा था, जिसका हाथ ट्राम के नीचे आ गया था। मुख्य जांचकर्ता अभियोजक मासेली वियोला ने कहा कि ट्राम के बेपटरी होकर इमारत में घुसने की वजह से बिल्डिंग पर काफी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल इमारत को खाली करा लिया गया है। सला के अनुसार पीड़ितों में से एक 60 वर्ष से अधिक आयु के इटली के नागरिक थे, जबकि दूसरा एक विदेशी नागरिक था जो शहर में रहता था। प्रारंभिक जांच में हादसे की क्या वजह आई सामने? उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा नहीं लगता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी, बल्कि यह ड्राइवर से संबंधित थी।' प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया कि ट्राम तेज गति से चल रही थी। लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या वह ट्राम के लिए निर्धारित 50 किलोमीटर (31 मील) प्रति घंटे की गति सीमा का उल्लंघन कर रही थी।

कोलकाता में भारत का रिकॉर्ड कैसा?: ईडेन गार्डेंस किस तरह रहा है टीम इंडिया का गढ़, विंडीज के लिए खतरे की घंटी!

कोलकाता : भारतीय टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब है। भारत का सामना अब वेस्टइंडीज से होगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर खेला जाएगा। सेमीफाइनल से एक कदम दूर भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण का मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच बेहद अहम है क्योंकि इस मैच में जो टीम जीत दर्ज करेगी वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर समाप्त हो जाएगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि कोलकाता में टी20 में उसका रिकॉर्ड बेहद शानदार है। झटके के बाद संभली भारतीय टीम भारतीय टीम ग्रुप चरण में अजेय रही थी और उसने अपने सभी मुकाबले जीते थे। लेकिन सुपर आठ चरण में उसके अभियान को उस वक्त तगड़ा झटका लगा जब दक्षिण अफ्रीका ने टीम को 76 रनों से करारी शिकस्त दे डाली। यह भारत के लिए काफी कठिन थी और इससे उसके लिए आगे की राह मुश्किल हो गई। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने अगले मैच में वेस्टइंडीज को हराया जिससे भारत ने राहत की सांस ली। फिर भारत ने भी जिम्बाब्वे पर 72 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल के लिए कदम बढ़ा

दिए। अब भारत और वेस्टइंडीज के बीच एक मार्च को होने वाले मैच में जो टीम जीतेगी, वो सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। कोलकाता में भारत से कभी नहीं जीता वेस्टइंडीज भारतीय फैंस के लिए राहत की बात यह है कि वेस्टइंडीज का ईडेन गार्डेंस पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। वेस्टइंडीज ने कोलकाता में कुल सात टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें से तीन में उसे जीत मिली है, जबकि चार मैच टीम ने गंवाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि वेस्टइंडीज को इस मैदान पर सभी हार भारत के खिलाफ ही मिली है। कोलकाता में भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 मैच के नतीजों की बात करें तो भारत ने चार नवंबर 2018 को वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया था। इसके बाद दोनों टीमों के बीच इस मैदान पर 16 फरवरी 2022 को टी20 मैच खेला गया जिसमें भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की। भारत और वेस्टइंडीज के बीच कोलकाता में 18 फरवरी 2022 को खेले गए टी20 मैच में भारत आठ रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा। भारत ने फिर 20 फरवरी 2022 को ईडेन गार्डेंस पर टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 17 रनों से हराया। अब भारत और वेस्टइंडीज की टीमें चार साल बाद इस मैदान पर टी20 में आमने-सामने होंगी। ईडेन गार्डेंस पर टी20 विश्व कप में एक बार खेला है भारत टी20 विश्व कप की बात करें तो भारत ने ईडेन गार्डेंस पर सिर्फ एक मैच खेला है। 2016 टी20 विश्व कप में भारत का सामना इसी मैदान पर पाकिस्तान से हुआ था जहां भारतीय टीम छह विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही थी। ये वही मैच था जिसमें विराट कोहली ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। अब टीम 10 साल बाद कोलकाता में टी20 विश्व कप का मैच खेलने उतरेगी। कोलकाता में भारत का टी20 में रिकॉर्ड ऐसा रहा... भारत ने कोलकाता में टी20 का पहला मुकाबला 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला। इस मैच में टीम को छह विकेट से हार मिली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अक्तूबर 2015 को कोलकाता में टी20 मैच रद्द हो गया था। 2016 में भारत ने टी20 मुकाबले में पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। ये ईडन गार्डेंस पर टी20 में भारतीय टीम की पहली जीत थी। नवंबर 2018 में भारत ने इस मैदान पर वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया। भारत ने 2021 में न्यूजीलैंड को 73 रनों से हराया। 2022 में भारत ने कोलकाता में वेस्टइंडीज को छह विकेट से मात दी। 2022 में ही भारत ने फिर इसी मैदान पर वेस्टइंडीज को आठ रन से हराया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2022 में कोलकाता में टी20 मुकाबला हुआ जिसमें टीम इंडिया 17 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। 2025 में भारत ने ईडेन गार्डेंस पर इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर इस मैदान पर अपना दबदबा बरकरार रखा। इस तरह कोलकाता में भारत ने खेले कुल नौ टी20 मैच में से सात जीते हैं, जबकि एक मैच गंवाया है और एक मुकाबला रद्द रहा है।

बातचीत से क्यों खुश नहीं थे ट्रंप, अमेरिका–ईरान के बीच विवाद क्या है, आखिर क्यों नहीं टली जंग?

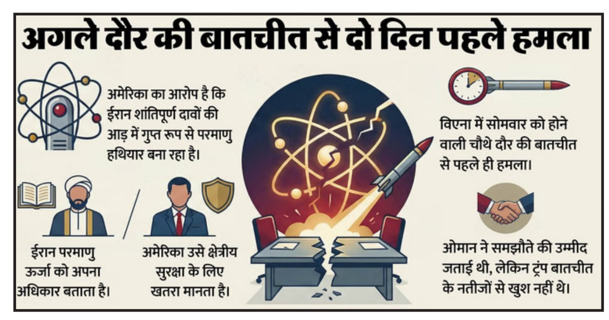

तेल अवीव। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी थी। तीसरा दौर जिनेवा में हुआ। चौथे दौर की बात सोमवार को वियना में होनी थी। लेकिन उससे पहले ही हमला हो गया। ऐसा क्यों हुआ? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से एक ही चीज चाहते हैं- यूरेनियम संवर्धन यानी एनरिचमेंट बंद हो। उन्होंने साफ कहा था, ₹मैं कहता हूं कि कोई संवर्धन नहीं। न 20%, न 30%₹। ईरान इसके लिए तैयार नहीं था। यही दोनों देशों के बीच बातचीत नाकाम हुई और लंबे समय से पश्चिम एशिया में जो घटित होने की अटकलें थीं, वो आखिरकार शनिवार को हो गया। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के ठिकानों पर संयुक्त रूप से हमला कर दिया। 1. अमेरिका-ईरान के बीच विवाद क्या है? बात परमाणु कार्यक्रम की है। अमेरिका और इजराइल का आरोप है कि ईरान चुपके-चुपके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान कहता है- यह सब शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है, हम हथियार नहीं बना रहे। दुनिया में जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं, उनमें से ईरान अकेला है जिसने यूरेनियम को हथियार बनाने के करीब तक जाकर संवर्धित किया है। यही बात अमेरिका को खलती है। 2. ताजा बातचीत कहां तक पहुंची थी? स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हाल ही में तीसरे दौर की बातचीत हुई थी। ओमान मध्यस्थ की भूमिका में था। बातचीत में ईरान का कहना था कि शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा उसका अधिकार है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने कहा था कि ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का जखीरा जमा न करने पर सहमति दी है। उन्होंने इसे बड़ी कामयाबी बताया था और कहा था, ₹शांति समझौता हमारी पहुंच में है... बस कूटनीति को काम करने दो।₹ उन्होंने यह भी कहा था कि सभी मुद्दे कुछ महीनों में हल हो सकते हैं।" हालांकि, अमेरिकी मांग इससे भी आगे थी। वो 400 किलो संवर्धित यूरेनियम देश से बाहर भेजने की बात कर रहा था। चौथे दौर की बातचीत सोमवार को ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में होनी थी। लेकिन उससे पहले ही हमला हो गया। 3. ट्रंप किस बात से नाराज थे? ईरान से जारी अप्रत्यक्ष बातचीत पर ट्रंप ने खुद कहा था, मैं खुश नहीं हूं। वो हमें वो नहीं दे रहे, जो हमें चाहिए। मैं कहता हूं कि कोई संवर्धन नहीं। न 20%, न 30%।₹ इससे पहले 19 फरवरी को ट्रंप ने एयर फोर्स वन में मीडिया से कहा था कि ईरान के पास ज्यादा से ज्यादा 10-15 दिन हैं। हमें एक ठोस डील करनी होगी। वरना बुरी चीजें होंगी। 4. जंग की तैयारी कब से थी? काफी पहले से। अमेरिका ने यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जंगी जहाज भूमध्य सागर की तरफ भेजा था।

इस्राइल–ईरान तनावः यूरोपीय देशों ने नागरिकों से की पश्चिम एशिया छोड़ने की अपील, भारत ने भी जारी की एडवाइजरी

नईदिल्ली। एक तरफ ईरान और इस्राइल के बीच तनाव जारी है तो दूसरी तरफ अमेरिका के साथ बातचीत का दौर शुरू है। वहीं इस्राइल और फलस्तीन पर भी सबकी निगाहें हैं। वर्तमान हालात के मद्देनजर दुनिया के अलग-अलग देशों की तरफ से एडवाइजरी जारी की जा रही है। कुछ यूरोपीय देशों ने अपने नागरिकों से ईरान और मिडिल ईस्ट के कई दूसरे इलाकों में बढ़ते तनाव के कारण वहां से चले जाने या वहां की यात्रा से बचने की अपील की है। भारत सरकार पहले ही अपने नागरिकों को हालिया तनाव को देखते हुए एडवायजरी जारी कर चुकी है। सरकारों की ओर से संभावित फ्लाइट कैंसिलेशन या देरी की चेतावनी दी और प्रभावित इलाकों में नागरिकों से सतर्क रहने और भीड़भाड़ से बचने का आग्रह किया। ब्रिटेन-फ्रांस ने भी जारी किया अलर्ट ब्रिटिश सरकार ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उसने ईरान से अपने स्टाफ को कुछ समय के लिए वापस बुला लिया है और उसका दूतावास रिमोटली काम करता रहेगा और देश की किसी भी यात्रा के खिलाफ सलाह दी है। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने फ्रांसीसी नागरिकों के लिए इजरायल, यरुशलम और वेस्ट बैंक की यात्रा के खिलाफ एक सुरक्षा एडवाइजरी जारी की, जिसमें ईरान से जुड़ी स्थिति से संभावित क्षेत्रीय नतीजों का हवाला दिया गया। एडवाइजरी में कहा गया, यह ट्रैवल एडवाइजरी इजरायल और फिलिस्तीन के लिए है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) अब इजरायल और फिलिस्तीन की जरूरी यात्रा को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर यात्रा न करने की सलाह दे रहा है। एफसीडीओ ने गाजा की यात्रा न करने की सलाह दी है। एफसीडीओ ने गाजा के साथ बॉर्डर के 500 मीटर के अंदर यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके अलावा, एडवाइजरी में वेस्ट बैंक, तुलकरम गवर्नेट, जेनिन गवर्नेट और टुबास गवर्नेट और रूट 90 को भी शामिल किया गया है। इटली ने भी अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने का आग्रह किया और पूरे मिडिल ईस्ट में बहुत सावधानी बरतने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इटली के लोग जो टूरिज्म के लिए ईरान आए हैं या जिनकी मौजूदगी बहुत जरूरी नहीं है, उनसे वापस जाने का आग्रह किया जाता है। इसके साथ ही इराक और लेबनान की यात्रा करने से भी सख्ती से मना किया। जर्मनी ने पूरे इजरायल की यात्रा को रोकने के लिए अपनी ट्रैवल गाइडेंस को अपडेट किया और पहले की सलाह को बढ़ाया जो देश के कुछ हिस्सों पर ही लागू थी। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों से ईरान, इजरायल और लेबनान तुरंत छोड़ने को कहा है और चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति ठीक नहीं है और सिविलियन एयरस्पेस के बंद होने से फ्लाइट नामुमकिन हो सकती हैं या उनमें बहुत ज्यादा रुकावट आ सकती है। डच विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का हवाला देते हुए इजरायल और गाजा, लेबनान और मिस्र के बीच सीमा वाले इलाकों के लिए अपनी ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर दी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव के कारण, इजरायल में सुरक्षा की स्थिति अनिश्चित है

US–इस्राइल का ईरान पर हमलाः खामेनेई–ईरानी मंत्रियों के दफ्तरों को बनाया निशाना, एक साथ 30 जगहों पर दागे रॉकेट

तेहरान : दुनिया इस वक्त युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान में चल रहे तनाव के बीच अब इस्राइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ व्यापक हमले शुरू कर दिए हैं। तेहरान सहित कई शहरों पर इस्राइल ने रॉकेट दागे हैं। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तेहरान पर व्यापक हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान के कई जगहों को निशाना बनाया गया है। ईरान में एक साथ 30 जगहों पर रॉकेट दागे गए हैं। तेहरान में तेज धमाकों की आवाज सुनी गई है। ईरान पर हमले का इस्राइल ने वीडियो भी जारी किया है। इस्राइल सेना ने ईरान पर एक के एक कई रॉकेट दागे हैं। इस्राइल ने स्थानीय समयानुसार सुबह 8.00 बजे हमले शुरू किए। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल में सायरन बज रहे हैं, क्योंकि इस्राइल ने मिसाइल हमलों की आशंका की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लोगों ने ईरान की राजधानी तेहरान में धमाका सुने। ईरान की राजधानी तेहरान के डाउनटाउन में धमाका

हुआ और आसमान में घना धुआं उठता देखा गया। ईरान के मंत्रालयों को इस्राइल ने निशाना बनाया है। सुप्रीम नेता खामेनेई, राष्ट्रपति के ऑफिस पर भी हमला किया गया है। इसी के साथ ईरान के संभावित हमले के मद्देनजर इस्राइल ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है। इस्राइल का ऑपरेशन शील्ड ऑफ जूडा जारी इस्राइल ने ईरान के खिलाफ चलाए अभियान का नाम ऑपरेशन शील्ड ऑफ जूडा है, जिसका मतलब यहूदियों की ढाल होता है। इस्राइली रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि इस्राइल ने शनिवार को ईरान पर पूर्व-नियोजित हमला किया। अमेरिकी अधिकारियों ने भी कहा कि वॉशिंगटन ने भी इन हमलों में हिस्सा लिया। खामेनेई के कार्यालय के पास हुआ धमाका प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ईरान की राजधानी तेहरान में और भी विस्फोट हुए हैं। यह हमला सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय के पास हुआ। हालांकि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि 86 वर्षीय खामेनेई उस समय अपने कार्यालयों में मौजूद थे या नहीं। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के चलते उन्हें कई दिनों से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। लेकिन यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका ने ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौता कराने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र में लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों का एक विशाल बेड़ा तैनात किया है। ईरान पर पूर्वव्यापी हमला शुरू इस्राइल ने ईरान के खिलाफ प्री-एम्पटिव अटैक यानी पूर्वव्यापी हमला शुरू कर दिया है। सुबह एक बयान में इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने पूरे देश में 'विशेष और स्थायी आपातकाल की स्थिति' घोषित की है। बता दें कि पूर्वव्यापी हमला एक ऐसी सैन्य या रणनीतिक कार्रवाई है, जो दुश्मन के हमला किए जाने की आशंका से पहले ही कर दिया जाता है, ताकि दुश्मन को कमजोर किया जा सके या खुद को सुरक्षित रखा जा सके। इस्राइल में सभी स्कूल बंद, हवाई सीमा की बंद जानकारी के मुताबिक संभावित हमलों की आशंका के बीच इस्राइल में सभी स्कूलों को बंद कर दिया है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा गया है। साथ ही लोगों के घरों से काम करने के लिए कहा गया है। आईडीएफ ने आशंका जताई है कि मिसाइल और ड्रोन से हमला हो सकता है। इसी के साथ हवाई सीमा की बंद कर दी गई है। तेहरान के एयरपोर्ट पर हमला किया गया है। मेहराबाद एयरपोर्ट पर धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरानी मीडिया ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि धमाकों की आवाज सुनी जा रही है। वहीं ईरान भी हवाई सीमा बंद कर दी है।

ट्रंप ने एंथ्रोपिक को दिखाया बाहर का रास्ता, सैम ऑल्टमैन के ओपनएआई की पेंटागन में एंट्री; जानें मामला

वॉशिंगटन : इस समझौते से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और अन्य अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर एंथ्रोपिक की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कंपनी शुक्रवार की समय सीमा तक अपनी एआई तकनीक का सेना को अप्रतिबंधित उपयोग करने की अनुमति देने में विफल रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हमें इसकी जरूरत नहीं है, हम इसे नहीं चाहते हैं, और हम उनके साथ दोबारा कभी व्यापार नहीं करेंगे!' अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत उसके एआई मॉडल रक्षा एजेंसी के क्लासिफाइड नेटवर्क में 'तकनीकी सुरक्षा उपायों' के साथ इस्तेमाल किए जाएंगे। अमेरिका में एआई पर टकराव गहराया: पेंटागन और एंथ्रोपिक आमने-सामने, डोनाल्ड ट्रंप ने एजेंसियों को दिया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।